छत्तीसगढ़ शासन

Chhattisgarh
full of surprises
Chhattisgarh Tourism Board

2017-2018

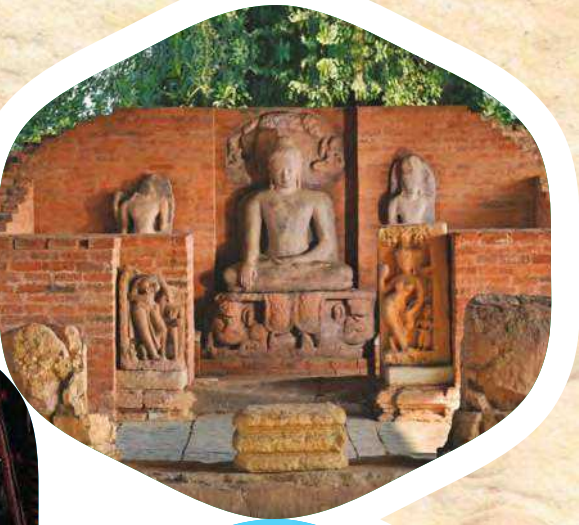

पर्यटन विभाग
प्रशासकीय प्रतिवेदन

Chhattisgarh
full of surprises
Chhattisgarh Tourism Board

कॉफी टेबल बुक ''वाईल्ड छत्तीसगढ़'' एवं ''सेन्चुरी गाईड बुक'' का
माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा विमोचन

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रति वर्ष आयोजित "Know India Program" के अंतर्गत भारतीय मूल के विदेशों में बसे 45 अप्रवासी भारतीय छात्रों की माननीय मुख्यमंत्री से मुलाकात

छत्तीसगढ़ शासन

डॉ. रमन सिंह
मान. मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

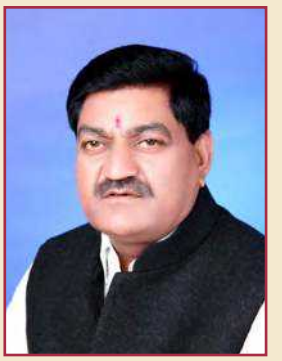

श्री दयालदास बघेल
मान. मंत्री, पर्यटन विभाग
छत्तीसगढ़ शासन

श्री संतोष बाफना
मान. अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल

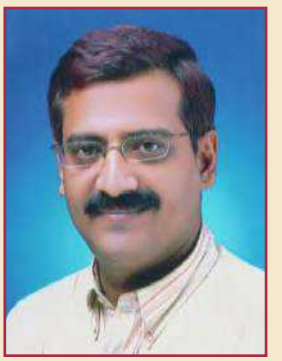

श्री केदार गुप्ता
मान. उपाध्यक्ष
छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल

पर्यटन विभाग

वार्षिक प्रशासकीय प्रतिवेदन

2017–2018

रायपुर

केंद्रीय पर्यटन मंत्री मान. श्री महेश शर्मा के छत्तीसगढ़ प्रवास पर चर्चा कर प्रमुख योजनाओ की जानकारी
पर्यटन मंत्री श्री दयालदास बघेल एवं उपाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता के द्वारा दी गई

माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री दयालदास बघेल जी की टर्की से आये
06 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान सौजन्य मुलाकात

एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत गुजरात पर्यटन का रायपुर में रोड शो एवं MOU एम.ओ.यू. हस्ताक्षर के अवसर पर

छत्तीसगढ़ शासन

पर्यटन विभाग

शासन

माननीय पर्यटन मंत्री छत्तीसगढ़ शासन	–	**श्री दयालदास बघेल**

मंत्रालय

सचिव छत्तीसगढ़ शासन	–	**श्रीमती निहारिका बारीक सिंह**
उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन	–	**श्री एम. एल. ताम्रकार**
अवर सचिव छत्तीसगढ़ शासन	–	**श्री नारायण सिंह ठाकुर**

संचालनालय

आयुक्त / संचालक	–	**श्रीमती निहारिका बारीक सिंह**

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल

अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल	–	**श्री संतोष बाफना**
उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल	–	**श्री केदारनाथ गुप्ता**
प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल	–	**श्री एम. टी. नंदी**
महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल	–	**डॉ. संजय सिंह**

होटल प्रबंधन संस्थान

अध्यक्ष	–	**श्रीमती निहारिका बारीक सिंह**
प्रभारी प्राचार्य होटल प्रबंधन संस्थान	–	**श्री एम. टी. नंदी**

छत्तीसगढ़
एक अद्भुत अनुभव

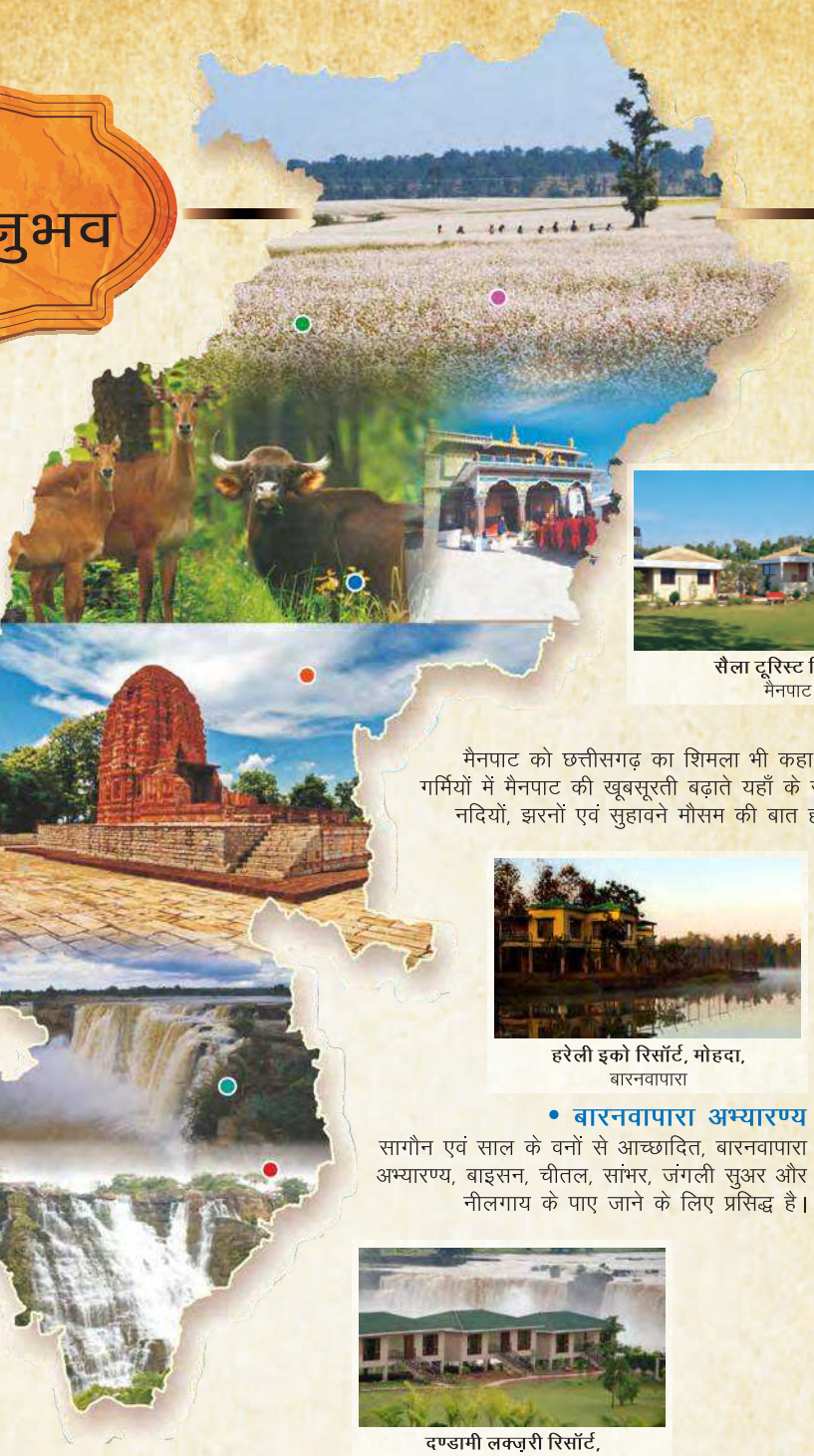

सोनभद्रा टूरिस्ट रिसॉर्ट,
आमाडोब

• अचानकमार टाइगर रिजर्व

मैकाल श्रृंखला में स्थित अचानकमार टाइगर रिजर्व की यात्रा मंत्रमुग्ध कर देती है। कबीर चबूतरा की शांति एवं अमाड़ोब में रुकने का आनंद भी अद्भुत है।

ह्वेन सांग टूरिस्ट रिसॉर्ट,
सिरपुर

• सिरपुर

पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण 7वीं शताब्दी के हिंदू, बौद्ध एवं जैन मंदिर और विहार, आयुर्वेदिक केंद्र, भूमिगत अन्न भंडार आदि सिरपुर के प्रमुख आकर्षण हैं ।

• तीरथगढ़ जलप्रपात

चन्द्राकार रूप से बनी पहाड़ी से सीढ़ीनुमा प्राकृतिक संरचनाओं पर करीब 300 फुट ऊंचाई से गिरने वाला यह जलप्रपात कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है।

सैला टूरिस्ट रिसॉर्ट,
मैनपाट

• मैनपाट

मैनपाट को छत्तीसगढ़ का शिमला भी कहा जाता है । इन गर्मियों में मैनपाट की खूबसूरती बढ़ाते यहाँ के साल के जंगलों, नदियों, झरनों एवं सुहावने मौसम की बात ही कुछ और है।

हरेली इको रिसॉर्ट, मोहदा,
बारनवापारा

• बारनवापारा अभ्यारण्य

सागौन एवं साल के वनों से आच्छादित, बारनवापारा अभ्यारण्य, बाइसन, चीतल, सांभर, जंगली सुअर और नीलगाय के पाए जाने के लिए प्रसिद्ध है।

दण्डामी लक्ज़री रिसॉर्ट,
चित्रकोट

• चित्रकोट जलप्रपात

छत्तीसगढ़ का गौरव, चित्रकोट जलप्रपात, इंद्रावती नदी द्वारा निर्मित 30 मी. ऊँचाई से गिरने वाला बस्तर का सबसे आकर्षक पर्यटन स्थल है।

टोल फ्री नं.: 1-800-102-6415 (सुबह 8 से रात 8 बजे तक)

हमें यहाँ फ़ॉलो करें:

छत्तीसगढ़ टूरिज़्म एप यहाँ से प्राप्त करें: GET IT ON Google play

Chhattisgarh
full of surprises
Chhattisgarh Tourism Board

Website: www.tourism.cg.gov.in

अनुक्रमणिका

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1	प्रस्तावना	**01**
2	छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल का गठन	**02**
3	छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल का उदेश्य	**03**
4	पर्यटन नीति	**04**
5	प्रमुख उपलब्धियां	**10**
6	प्रमुख विकास कार्य	**12**
7	आगामी कार्य योजनाएं	**16**
8	सोशल मीडिया में छत्तीसगढ़ पर्यटन	**17**
9	शाखाओं द्वारा संपादित कार्य	**18**
10	छत्तीसगढ पर्यटन मंडल का बजट 2017–18	**37**
11	विभागीय संरचना	**38**
12	होटल प्रबंधन खानपान तकनीकी एवं अनुप्रयुक्त पोषाहार संस्थान	**41**
13	छत्तीसगढ के प्रमुख पर्यटन स्थल (जिलेवार)	**45**

सत्य का प्रतीक – जैतखंभ

"सत के नाम बने सतनाम जीव सार
सतनाम धारण करत मिलय सुख अपार
छत्तीसगढ़ छॉव म घासीदास एक नाम
सहज मुक्ति पाओगे सुमरत सत गुरूनाम।"

जैतखंभ

निकटतम आकर्षक स्थानः

बारनवापारा अभयारण्य

हरेली इको रिसॉर्ट, मोहदा, बारनवापारा

Chhattisgarh
full of surprises
Chhattisgarh Tourism Board
http://tourism.cg.gov.in

टोल फ्री नं.: 1-800-102-6415 (सुबह 8 से रात 8 बजे तक) हमें यहाँ फ़ॉलो करें: Gochhattisgarh छत्तीसगढ़ टूरिज़्म एप यहाँ से प्राप्त करें: GET IT ON Google play

प्रस्तावना

छत्तीसगढ़ अपने आप में एक समृद्ध पर्यटन राज्य है। भारत के हृदय स्थल में स्थित छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तर में सतपुड़ा पहाड़ियों का उच्चतम भूभाग है तो मध्य में महानदी तथा उसकी सहायक नदियों का मैदानी भाग है । इसके दक्षिण में बस्तर का विस्तृत पठार है । छत्तीसगढ़ प्राचीन स्मारकों, दुर्लभ वन्य प्राणियों, नक्काशीदार मंदिरों, बौद्ध स्थलों, राजमहलों, जलप्रपातों, गुफाओं एवं शैलचित्रों से परिपूर्ण है। यहां ऐतिहासिक, पुरातात्विक धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थल है। यहां राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्य प्राणी अभ्यारण्यों के साथ–साथ गौरवशाली प्राचीन लोक संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण भी है।

प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्र, महापाषाणीय शवाधान स्मारक स्थल तथा ऐतिहासिक काल के भव्य मंदिर, बौद्ध विहार, जलप्रपात, प्राकृतिक भूमिगत कन्दराएं, सघन वन तथा दुर्लभ वन्य प्राणियों के व्यापक आकर्षण राज्य के पर्यटन के प्रमुख अंश है। पर्यटन की दृष्टि से छत्तीसगढ़ अत्यंत समृद्ध राज्य है। राज्य का लगभग 44 प्रतिशत भू भाग वनों से आच्छादित है। राज्य के राष्ट्रीय उद्यान तथा वन्य प्राणी अभ्यारण्यों के साथ–साथ जनजातीय संस्कृति के नृत्य संगीत तथा शिल्प कला की विविधताओं से यह राज्य संपन्न है। महाप्रभु वल्लभाचार्य, संत गुरूघासीदास, संत धरमदास साहेब के पुण्य स्थल यहां सत्य, अहिंसा और समानता को उद्घोषित करते है तथा यहां उनके असंख्य अनुयायियों को पर्यटन के लिए उत्प्रेरित करते है। छत्तीसगढ़ के धार्मिक केन्द्र राष्ट्रीय एकता व अभिन्नता के संवाहक है।

छत्तीसगढ़ में आयोजित पांरपरिक मेलों में छत्तीसगढ़ की संस्कृति की बहुरंगी झलक मिलती है। बस्तर का दशहरा पर्व जनजातियों की परंपरा का विलक्षण उत्सव है जिसमें रथयात्रा का आयोजन होता है। महानदी, पैरी तथा सोन्दूर नदी के संगम स्थल पर माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयेाजित होने वाला माघ मेला विशाल जन आस्था के फलस्वरूप प्रतिवर्ष आयेजित होने वाले कुंभ के रूप में देश भर में जाना जाता है। छत्तीसगढ़ रतनपुर, डोंगरगढ़ तथा दंतेवाड़ा में स्थापित ऐतिहासिक काल के शक्तिपीठों के कारण प्रसिद्ध है। राज्य में आयोजित होने वाले राज्योत्सव तथा अन्य विशिष्ट उत्सवों की पहचान दूर–दूर तक होने लगी है। जिससे पर्यटन के क्षेत्र में अभिरूचि विकसित हुई है। पुरातत्वीय उत्खननों के फलस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण पुरातात्विक धरोहर स्थल–सिरपुर, महेशपुर, राजिम, पचराही आदि स्थल चिन्हांकित हुए है। समग्र रूप से छत्तीसगढ़ में लगभग 138 स्थल पर्यटन स्थल के रूप में चिन्हांकित है। पर्यटन के बहुआयामी क्षेत्र में विशेषकर जनजातीय अंचलों में स्थित पर्यटन स्थलों को चिन्हांकित कर प्रचार–प्रसार पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

चित्रकोट जलप्रपात, विहंगम दृश्य, जगदलपुर, बस्तर

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल का गठन

राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल का गठन दिनांक 18.01.2002 को किया गया।

मध्यप्रदेश राज्य पुर्नगठन अधिनियम के अर्न्तगत मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के विभाजन के फलस्वरूप 50 अधिकारियों/कर्मचारियों की सेवायें छत्तीसगढ़ शासन को अन्तरित की गई तथा दिनांक 21.01.2002 तक छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा के भीतर चल एवं अचल परिसम्पत्तियों का आधिपत्य भौतिक रूप से छत्तीसगढ़ पर्यटन द्वारा मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम से ग्रहण किया गया। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल में 18 सदस्यीय संचालक मंडल का गठन किया गया है। विगत चौदह वर्षों से छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा प्रदेश में पर्यटन विकास एवं पर्यटक गतिविधियों हेतु राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

संचालक मंडल के बैठक में मान. पर्यटन मंत्री, मान. अध्यक्ष, मान. उपाध्यक्ष पर्यटन मंडल के सदस्यगण, प्रबंध संचालक एवं अधिकारीगण

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल का उद्देश्य

छत्तीसगढ़ को एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन राज्य के रूप में विकसित करने एवं संपूर्ण राज्य में पर्यटन की दृष्टि से अधोसंरचना का विकास कर शासकीय, स्थानीय समुदाय एवं निजी क्षेत्रों के परस्पर सहयोग से छत्तीसगढ़ को एक महत्वपूर्ण पर्यटक गंतव्य स्थल (Tourist Destination) के रूप में स्थापित करने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल का गठन किया गया है।

1. छत्तीसगढ़ के विभिन्न पर्यटन स्थलों को विपणन तथा प्रचार–प्रसार के माध्यम से देश–विदेश में स्थापित करना।
2. सम्पूर्ण राज्य में अधोसंरचना का विकास करना जिससे पर्यटको के लिए मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हो सके।
3. छत्तीसगढ़ में पर्यटन अनुभव की गुणवत्ता एवं आकर्षण को सुदृढ़ करना।
4. राज्य की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार करना।
5. आर्थिक विकास एवं संबंधित क्षेत्रों में पर्यटन के योगदान में वृद्धि करना।
6. पर्यटन संबंधित अधोसंरचना के विकास में निजी निवेशकों के प्रयत्नों को प्रोत्साहित करना।
7. छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना तथा पर्यटन से संबंधित गतिविधियों में संलग्न व्यक्तियों, संस्थाओं की रूचि को प्रोत्साहन देना।
8. पर्यटन संभावनाओं की सूचनाओं को प्रचारित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य में देशी एवं विदेशी ट्रेव्हल एजेन्ट्स, टूरिज्म प्रमोशन एजेंसी तथा ट्रेव्हल राईटर, ट्रेव्हल ब्लॉगर को आमंत्रित कर परिचयात्मक टूर्स (Familiarization Tours) का आयोजन करना।
9. भारत तथा विदेश में सेमीनार, वर्कशॉप, प्रर्दशनी, स्टडी क्लासेस, टूर तथा भ्रमण का आयोजन एवं बुक, मैगजीन, पिरियॉडिकल, ट्रेव्हल गाईड का प्रकाशन कर तथा ब्रोशर एवं विज्ञापन के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने की कार्यवाही करना।
10. पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय, सांस्कृतिक, सामाजिक तथा ऐसे अन्य उत्सवों का आयोजन करना तथा आयोजनों में सहायता करना।
11. ऐसे अन्य कार्यों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन करना जो राज्य सरकार द्वारा पर्यटन मंडल को सौंपें जाएँ।

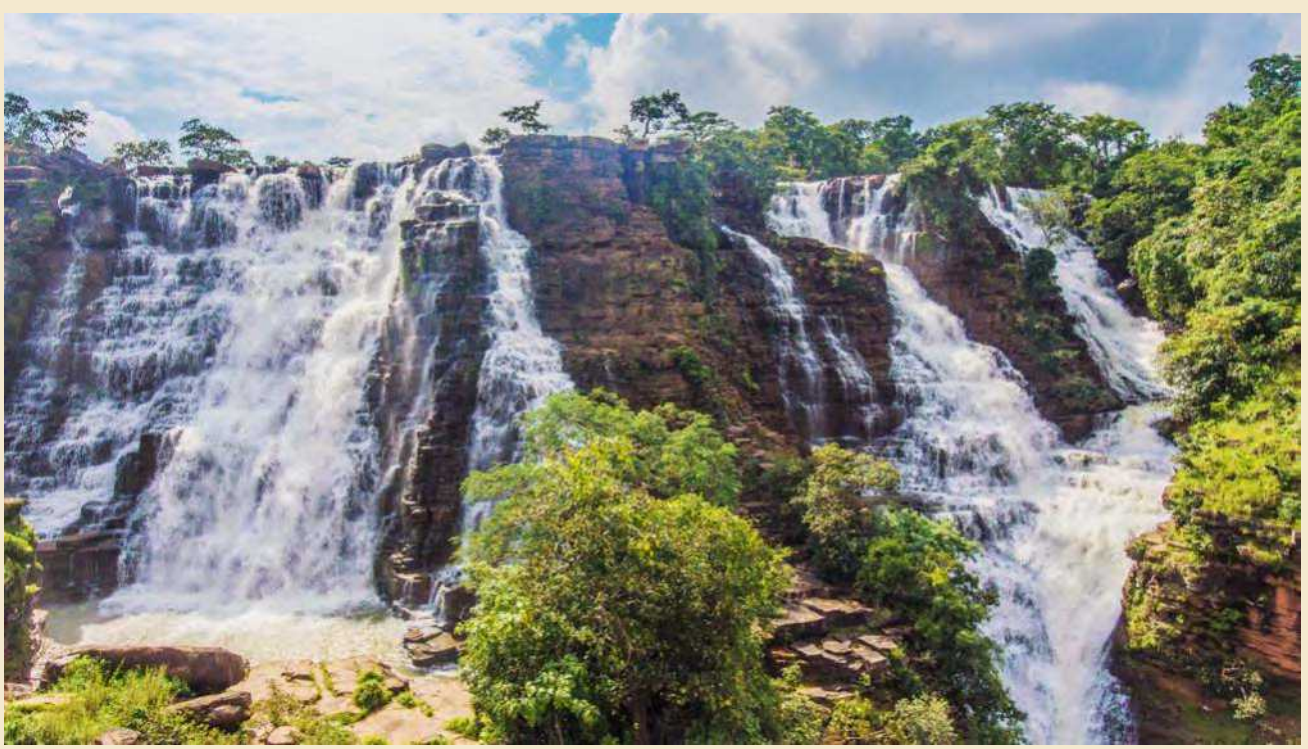

तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, बस्तर

पर्यटन नीति

छत्तीसगढ़ की पर्यटन नीति राज्य की अद्वितीय छवि स्थापित करके उसे एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य स्थल के रूप में विकसित करने पर केन्द्रित है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए राज्य द्वारा कुछ विशिष्ट प्रयास रेखांकित किए गए हैं, जैसे कि अधोसंरचना एवं संस्थागत विकास, पर्यटन उत्पाद प्रदाय, विपणन आदि। इस नीति का प्रमुख उद्देश्य शासन की भूमिका को सुविधापरक बनाना एवं स्थानीय समुदाय की बौद्धिक संपदा एवं अधिकारों को सम्मान देना है।

पर्यटन नीति का क्रियान्वयन करते समय राज्य केवल उन प्रयत्नों को प्रोत्साहित करेगा जिससे पर्यटन क्षेत्र का संवहनीय विकास होता हो एवं पर्यावरण का संतुलन बना रहे। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार स्थानीय समुदायों की भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी एवं राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रोत्साहन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु राज्य उपयुक्त कानून पारित करेगा एवं पर्यटन क्षेत्र के विकास एवं पर्यटन नीति के क्रियान्वयन हेतु राज्य पर्यटन विकास मंडल को नोडल एजेंसी के रूप में स्थापित करेगा।

पर्यटन नीति के मुख्य उद्देश्य

- प्रदेश में आर्थिक, सास्कृतिक एवं पारिस्थितिकीय दृष्टि से संवहनीय पर्यटन को प्रोत्साहित करना।
- छत्तीसगढ में पर्यटन अनुभव की गुणवत्ता एवं आकर्षण को सुदृढ़ करना।
- राज्य की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार करना।
- पर्यटन से संबंधित अधोसंरचना के विकास में निजी निवेशको के प्रयत्नों को प्रोत्साहित करना।
- शासन की भूमिका को सुविधापरक बनाना।
- पर्यटन के क्षेत्र में नई अवधारणाएं जैसे टाइम शेयर, ईको पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, साहसिक पर्यटन आदि को बढावा देना।
- स्थानीय समुदाय की बौध्दिक संपदा एवं अधिकारों को सम्मान देना।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए राज्य द्वारा कुछ विशिष्ट प्रयास रेखांकित किए गए हैं, जो निम्नानुसार वर्गीकृत हैं :–

- अधोसंरचना एवं संस्थागत विकास
- पर्यटन उत्पाद प्रदाय
- विपणन

ह्वेन सांग पर्यटक रिसोर्ट, सिरपुर, महासमुन्द

पर्यटन नीति के प्रमुख बिंदु

2.1 आधारभूत सुविधायें एवं संस्थागत विकास

पर्यटन की वास्तविक क्षमता का सदुपयोग करने के लिए राज्य शासन द्वारा वृहद स्तर पर मूलभूत सुविधाओं का विकास एवं सुधार तथा प्रदेश में निजी निवेश हेतु अनुकूल वातावरण का निर्माण करने के लिए चयनात्मक एवं एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जावेगा। पर्यटन का विकास मुख्य रूप से निजी क्षेत्र के द्वारा किया जावेगा एवं शासन की भूमिका सुविधापरक एवं प्रेरणास्त्रोत प्रदाय करने की होगी।

- पर्यटन एवं पूंजी निवेश की दृष्टि से प्रमुख पर्यटन क्षेत्र/सर्किट की पहचान एवं प्राथमिकता निर्धारित की जावेगी। उदाहरणार्थ भौगोलिक समानता के सदुपयोग हेतु विरासत से जुड़ी संपदा के साथ वन्य प्राणी एवं तीर्थ स्थल सर्किट को जोड़ा जाएगा।
- विशेषज्ञों की सहायता से पर्यटन विकास का दूरदर्शी मास्टर प्लान तैयार कर, पर्यटन क्षमता, स्थानीय आकांक्षाओं एवं संभावित आर्थिक लाभ का मूल्यांकन कर, पर्यटन क्षेत्रों के एकीकृत/गहन विकास पर जोर दिया जाएगा। प्रदेश के नगर एवं ग्राम निवेश संस्थाओं की भागीदारी से आर्थिक विकास एवं पर्यटन विकास योजनाओं का एकीकरण किया जाएगा।
- योजनाबद्ध ढंग से प्रमुख स्मारकों के आसपास के क्षेत्रों में विश्वस्तरीय विकास से जुड़े पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा।

02. निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन

- पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया जाएगा ताकि अधोसंरचना विकास/वृहद पर्यटन परियोजनाओं को उद्योगों के समतुल्य सहायता, सुविधा एवं बिजली दरों में रियायतें उपलब्ध हो सके।
- पर्यटन स्थलों की क्षमता दर्शाने हेतु प्रारंभिक तौर पर नाभिकीय अधोसंरचना के निर्माण के उद्देश्य से राज्य शासन विशेष पर्यटन क्षेत्रों में स्थापित की जाने वाली परियोजनाओं को पूंजीगत व्यय का 15 प्रतिशत निवेश अनुदान उपलब्ध करायेगा जो 20 लाख रूपए से अधिक नहीं होगा।
- पर्यटन क्षेत्र के अधोसंरचना विकास में निजी निवेश के प्रोत्साहन हेतु राज्य शासन शासकीय अंशदान के रूप में शासकीय भूमि विक्रय, पट्टे अथवा संयुक्त क्षेत्र, परियोजनाओं हेतु उपलब्ध कराएगा।

बरदिहा लेक व्यू रिसोर्ट, गंगरेल, धमतरी

03. मूलभूत अधोसंरचना एवं मानव संसाधन विकास

- पर्यटन केन्द्रों के सड़क नेटवर्क में सुधार।
- पर्यटन बसों की संख्या में वृद्धि एवं मुख्य पर्यटन केन्द्रों को जोड़ने वाली सड़कों पर सड़क किनारे पर्यटन सुविधाओं का विकास।
- पर्यटन विकास हेतु बनाए जाने वाली एक दूरदर्शी मास्टर प्लान के अंतर्गत, पर्यटन एवं उससे संबंधित उद्योगों हेतु प्रशिक्षण की आवश्यकता के मूल्यांकन हेतु अध्ययन करना।
- मानव संसाधन विकास संस्थाओं के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थाओं को विस्तृत क्रम में स्थापना हेतु प्रोत्साहित करना।
- प्राथमिक स्तर तक के कार्यकर्ताओं एवं गाईडों के प्रशिक्षण को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित करना।

भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर के सहयोग से सिरपुर में आयोजित स्थानीय गाईड प्रशिक्षण कार्यक्रम

04. संस्थागत रचनाओं का सशक्तिकरण

- राज्य में एक पर्यटन विकास मंडल का गठन किया जाएगा जो एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी। यह एजेंसी विकास योजनाओं का निर्माण, निर्णय, पर्यटन क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं से समन्वय, निवेशकों को मार्गदर्शन के साथ पर्यटन प्रोजेक्ट की स्थापना हेतु आवश्यक सहायता देने का कार्य करेगी। यह मंडल अंतरविभागीय (पर्यटन, वन, लोक निर्माण, सिंचाई, कला एवं संस्कृति विभाग) समन्वय कर पर्यटन क्षेत्र में अंतरसंबंध स्थापित करेगी। बोर्ड में शासकीय सेवकों के साथ–साथ निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा।
- राष्ट्रीय पर्यटन नीति के प्रारूप अनुसार रायपुर में पर्यटन केन्द्र के रूप में पर्यटन भवन की स्थापना की जायेगी। यह केन्द्र स्थानीय एवं विदेशी पर्यटकों को रेल एवं वायुयान के आरक्षण, विदेशी मुद्रा सुविधा एवं पर्यटन केन्द्रों के बारे में जानकारी मुहैया करायेगा।
- पर्यटन विकास के विकेन्द्रीकरण हेतु जिला पर्यटन प्रोत्साहन परिषदों का गठन किया जायेगा। पर्यटन गतिविधियों में पंचायती राज संस्थानों, सहकारी संस्थाओं एवं स्थानीय समुदायों को सम्मिलित किया जाएगा।

2.2 पर्यटन उत्पादों के प्रदाय में सुधार

- **पारिस्थितिकी पर्यटन (Eco-tourism)** - राज्य स्थानीय एवं निजी क्षेत्र की सहभागिता के आधार पर प्राकृतिक पर्यटन स्थलों का चयन कर उनके उचित विकास के लिए सक्रिय कार्य करेगा। वन्यप्राणी क्षेत्र, कैम्पिंग स्थल, ट्रेकिंग सुविधा जैसे प्राथमिक आकर्षण केन्द्रों का विकास किया जाएगा। सोनमुड़ा (मरवाही), मैनपाट(सरगुजा), केशकाल घाटी (कांकेर), चैतुरगढ़ (कोरबा), बगीचा (जशपुर), कोटुमसर गुफा, कैलाश गुफा, तीरथगढ़ जल प्रपात, चित्रकोट जल प्रपात (बस्तर) एवं कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, बारनवापारा, सीतानदी, उदंती, अचानकमार अभ्यारण्यों का प्राकृतिक पर्यटन स्थल के रूप में विकास किया जाएगा।

  उपरोक्त के अलावा राज्य में पारिस्थितिकी पर्यटन विकास को बढ़ावा देने हेतु औषधि पौधों की बहुलता का लाभ उठाकर, हर्बल उद्यानों का विकास तथा प्राकृतिक स्वास्थ्य के लिए योगा, आयुर्वेद रिसोर्ट आदि के विकास पर बल दिया जाएगा।

- **सांस्कृतिक धरोहर एवं ग्रामीण पर्यटन (Cultural, Ethnic & Rural Tourism)** – राज्य के बहुमूल्य धरोहर को दर्शाने हेतु विरासत संपदा जैसे पुराने महल, हवेली एवं बाड़ों के समीप के स्थल एवं ग्रामों का चिन्हांकन कर उन्हें पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इनको राज्य के पारिस्थितिक पर्यटन पथ में समन्वित कर संपूर्ण प्रदेश में पर्यटन विकास हेतु केंद्रित किया जाएगा। इसके अंतर्गत कला एवं शिल्प उत्पादों को भी सम्मिलित किया जाएगा ताकि स्थानीय ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा दिया जा सके।

बस्तर दशहरा रथ, जगदलपुर

- राज्य शासन यह सुनिश्चित करेगा कि पुरातात्विक धरोहरों का यथोचित एवं व्यवसायिक ढंग से रख–रखाव एवं प्रबंधन हो। भोरमदेव, राजिम, सिरपुर, ताला, मल्हार एवं शिवरीनारायण को प्रमुख रूप से विरासत धरोहर के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य के सांस्कृतिक विकास हेतु समय–समय पर विभिन्न सांस्कृतिक मेले एवं उत्सवों का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय त्यौहारों जैसे बस्तर का दशहरा, नारायणपुर की मड़ई आदि को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

- **साहसिक पर्यटन (Adventure Tourism) –**

राज्य में साहसिक पर्यटन जैसे ट्रेकिंग, Rock Climbing, नौकायन, पैरासेलिंग, वाटर स्पोर्टस ,वाटर राफ्टिंग, पैरासेलिंग, वॉटर स्पोर्टस् आदि का विकास किया जाएगा। राज्य सरकार साहसिक पर्यटन गतिविधियों के विकास हेतु युवकों/युवतियों को प्रशिक्षण की व्यवस्था करायेगा जिससे कि राज्य में इन व्यावसायिक स्तर पर साहसिक पर्यटन का विकास हो सके। गंगरेल बांध, माडमसिल्ली बांध, कोडार बांध का विकास साहसिक खेलों हेतु किया जाएगा।

''टूर दे छत्तीसगढ़'' सायकल राईड फ्लैग ऑफ मान. उपाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता द्वारा

- **तीर्थ पर्यटन–**

राज्य में तीर्थ पर्यटन विकास के लिए तीर्थ स्थलों में धर्मशाला आदि का विकास किया जाएगा। राज्य में बौद्ध तीर्थ यात्रियों के लिए भी बौद्ध पर्यटन केन्द्रों का विकास करके उन्हें वृहद बौद्ध चक्र से जोड़ा जाएगा। राजिम, चम्पारण, चंद्रहासिनी देवी, डोंगरगढ़, शिवरीनारायण, गिरौदपुरी, दंतेवाड़ा, रतनपुर, सिरपुर एवं मैनपाट को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय तीर्थ पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा।

- **व्यापार सह मनोरंजन पर्यटन–**

राज्य में व्यापार सह मनोरंजन पर्यटन विकास के लिए व्यापार सह मनोरंजन केन्द्रों एवं थीम पार्क के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा, जो व्यापारियों को आवश्यक सुविधाओं की पूर्ति करेगा। इससे व्यापार पर्यटन का विकास होगा। राज्य में स्टेट आफ आर्ट कन्वेंशन केन्द्रों, सेमीनार हॉल आदि की स्थापना को प्रोत्साहित कर कार्पोरेट इवेन्ट्स को बढ़ावा दिया जाएगा। उच्च क्रय शक्ति वाले व्यापारिक पर्यटकों को आवश्यकतानुसार सुविधाएं जैसे होटल्स, थीम पार्क, मल्टीप्लेक्स थिएटर, हेल्थ स्पा, शॉपिंग सेन्टर, गोल्फ कोर्स आदि की स्थापना की जाएगी।

2.3. प्रभावशाली विपणन

- विश्वास जागृत करने वाली परियोजनाओं की पहचान कर उनका विकास करेगा जिससे स्थानीय आकर्षण के केन्द्रों पर ध्यान केन्द्रित हो सके।
- पर्यटन से संबंधित सूचना एवं प्रचार हेतु पर्यटन पोर्टल, टच स्क्रीन, इंफारमेशन किओक्स, मल्टी मीडिया, सी.डी. रोम्स का विकास करेगा।
- समय–समय पर पर्यटन बाजार पर शोध कर विश्लेषण किया जाएगा जिससे पर्यटकों का पर्यटन झुकाव एवं संतुष्टि मूल्यांकन पर आधारित विपणन नीति का निर्माण किया जा सके।
- सभी पर्यटन केन्द्रों पर पर्यटकों के लिए मैत्रीपूर्ण कदम जैसे कम्प्यूटर आधारित सूचनाएं एवं आरक्षण व्यवस्था, ब्रोशर्स, लीफलेट एवं स्मारिका तथा अन्य स्थानीय वस्तुओं की विक्रय की व्यवस्था करेगा।
- मेलों का आयोजन कर स्थानीय व्यंजनों, कला एवं शिल्प, स्थानीय लोक नृत्य को प्रोत्साहित करेगा एवं राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक मेलों आदि में सहभागिता सुनिश्चित करेगा।
- अन्य राज्यों के पर्यटन विकास मंडल/निगमों एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से संपर्क स्थापित कर एक दूसरे के पर्यटन उत्पादों का विपणन एवं विक्रय सुनिश्चित करेगा।
- पर्यटन के विकास के लिए मौद्रिक एवं अमौद्रिक पारितोषिकों की स्थापना करना।
- स्थानीय लोगों से खरीदी में सहभागिता सुनिश्चित करेगा। पंचायती राज संस्थान, स्थानीय निकायों, धार्मिक संस्थाओं, सहकारी समिति एवं अन्य सामाजिक स्तर की संस्थाओं को प्रोत्साहित करके पर्यटकों के अनोखे अनुभवों के आदान–प्रदान में सहायक की भूमिका निभाएगा।
- पेशेवर विज्ञापन संस्थाओं, जनसंपर्क कंपनियों के साथ–साथ निजी क्षेत्रों को शामिल करके विकासोन्मुखी कार्यक्रमों का आयोजन करेगा।

सफारी इंडिया द्वारा वर्ष 2017 में बेस्ट डेस्टीनेशन ऑफ ट्रायबल टूरिज्म अवार्ड

अंबुजा मॉल, रायपुर में टूरिज्म फेयर का शुभारंभ

प्रमुख उपलब्धियाँ

1. राज्य की आदिवासी संस्कृति से पर्यटकों को परिचित कराने के उद्देश्य से ''ट्रायबल टूरिज्म सर्किट'' के विकास हेतु भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय से स्वीकृत रू. 99.94 करोड़ की योजना के तहत सरोधा दादर, कोंडागांव एवं महेशपुर में कार्य प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत ट्रायबल थीम को लेते हुए इस सर्किट में पर्यटन संरचनाओं एवं सुविधाओं का विकास किया जायेगा। इस सर्किट में प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों को शामिल किया गया है जिसमें जशपुर, कुनकुरी, मैनपाट, अम्बिकापुर, महेशपुर, रतनपुर, कुरदर, सरोधा दादर, गंगरेल, कोंडागांव, नथियानवागांव, जगदलपुर, चित्रकोट एवं तीरथगढ़ सम्मिलित हैं।

माड़िया जनजाति, बस्तर

2. राजिम में ओपन एम्फीथियेटर का जिर्णोद्धार कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

3. तेलंगाना एवं गुजरात राज्य के साथ आपसी पर्यटन प्रचार प्रसार, होटल कक्षों की बुकिंग, पैकेज टूर्स, ट्रांसपोर्ट की बुकिंग तथा एक दूसरे राज्य के पर्यटन कार्यक्रमों में सहभागिता करने के लिए एम.ओ.यू. किया गया है।

तेलंगाना टूरिज्म के रायपुर में रोड शो में पर्यटन कार्यक्रमों में सहभागिता हेतु एम.ओ.यू.

4. छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के द्वारा प्रदेश के युवाओं को एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तथा बाईसिकल पर्यटन के क्षेत्र में आकर्षित करने एवं प्रदूषण मुक्त पर्यावरण का संदेश देने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करने तथा छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों के प्रचार–प्रसार हेतु ''Tourism on Wheels'' कैंपेन प्रारंभ किया गया है। जिसके तहत छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के द्वारा बाईसिकल टूर्स का आयोजन किया जा रहा है। ये टूर्स निम्नलिखित हैं:–

- दिनांक 14 जनवरी 2018 को रायपुर – जंगल सफारी – पुरखौती मुक्तांगन (55 किमी). इस टूर में 109 राइडर्स ने भाग लिया।
- दिनांक 26–29 जनवरी 2018 को रायपुर– सिरपुर– बारनवापारा– गंगरेल– कोडागांव– चित्रकोट– तीरथगढ़ – कुटुमसर (लगभग 400 कि.मी.)। इस टूर में 60 राइडर्स ने भाग लिया। जिसमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, नई दिल्ली, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, गुजरात सहित अमेरिका, जर्मनी, स्विटज़रलैंड से भी राइडर्स ने भाग लिया। इनमें 1984 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता श्री एलेक्सी ग्रेवाल भी शामिल हुए।
- दिनांक 10–11 फरवरी को कबीरधाम–भोरमदेव–सरोधा दादर का टूर प्रस्तावित है।

14 जनवरी 2018 को रायपुर–जंगल सफारी–पुरखौती मुक्तांगन (55 किमी). टूर

26–29 जनवरी 2018 को रायपुर–सिरपुर–गंगरेल–बस्तर तक 400 कि.मी. सायकल राईड में देश विदेश से 60 राईडर्स ने भाग लिया

प्रमुख विकास कार्य

छ.ग. राज्य में विभिन्न पर्यटन स्थलों पर स्वीकृत किये गए पर्यटन विकास कार्यों की जानकारी निम्नानुसार है:–

01. जिला बस्तर (जगदलपुर)

- लामनी पार्क (जगदलपुर) में ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत क्राप्ट हाट (कैफेटेरिया) एवं पार्किंग निर्माण के राशि रु. 53.76 लाख के कार्यों की स्वीकृति एवं राशि रू. 26.88 लाख जारी करते हुए कार्यों का क्रियान्वयन वनमंडलाधिकारी के माध्यम से प्रारंभ किया गया।
- तिरथगढ़ में ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत राशि रु. 109.96 लाख की लागत से प्रोटेक्टिव रेलिंग एवं स्टेप निर्माण कार्य हेतु संचालक, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को स्वीकृति जारी करते हुए रू. 50.00 लाख जारी किये गए।
- चित्रकोट जिला बस्तर में ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत राशि रु. 123.26 लाख की लागत से लिफ्ट निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान करते हुए रू. 61.63 लाख जिला कलेक्टर का जारी किया गया।
- चित्रकोट में ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत राशि रु. 75.92 की लागत से रेन शेल्टर, पार्किंग, लैण्डस्केपिंग एवं साईनेज के निर्माण हेतु Hindustan Prefab Ltd. (HPL) को कार्य आदेश जारी किया गया।
- चित्रकोट में ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत रू. 338.60 लाख की लागत से पर्यटक सुविधा केंद्र, एम्फीथियेटर, इंटरप्रिटेशन सेंटर, सोलर प्रकाशीकरण के निर्माण हेतु Telecommunications Consultants India Limited (TCIL) को कार्यादेश प्रदान किया गया।

02. जिला बलौदाबाजार

- चंगोरपुरीधाम लवन में राशि रु. 7.10 लाख के प्रवेश द्वार के निर्माण हेतु स्वीकृति जिला कलेक्टर को जारी की गयी।

03. जिला दंतेवाड़ा

- बारसूर में मामा–भांजा मंदिर में विष्णु तालाब मरम्मत एवं सी.सी रोड (400 मीटर) निर्माण कार्य हेतु कलेक्टर दंतेवाड़ा को रू. 20.00 लाख की स्वीकृति के विरूद्ध द्वितीय किस्त रू. 10.00 लाख जारी किये गए।

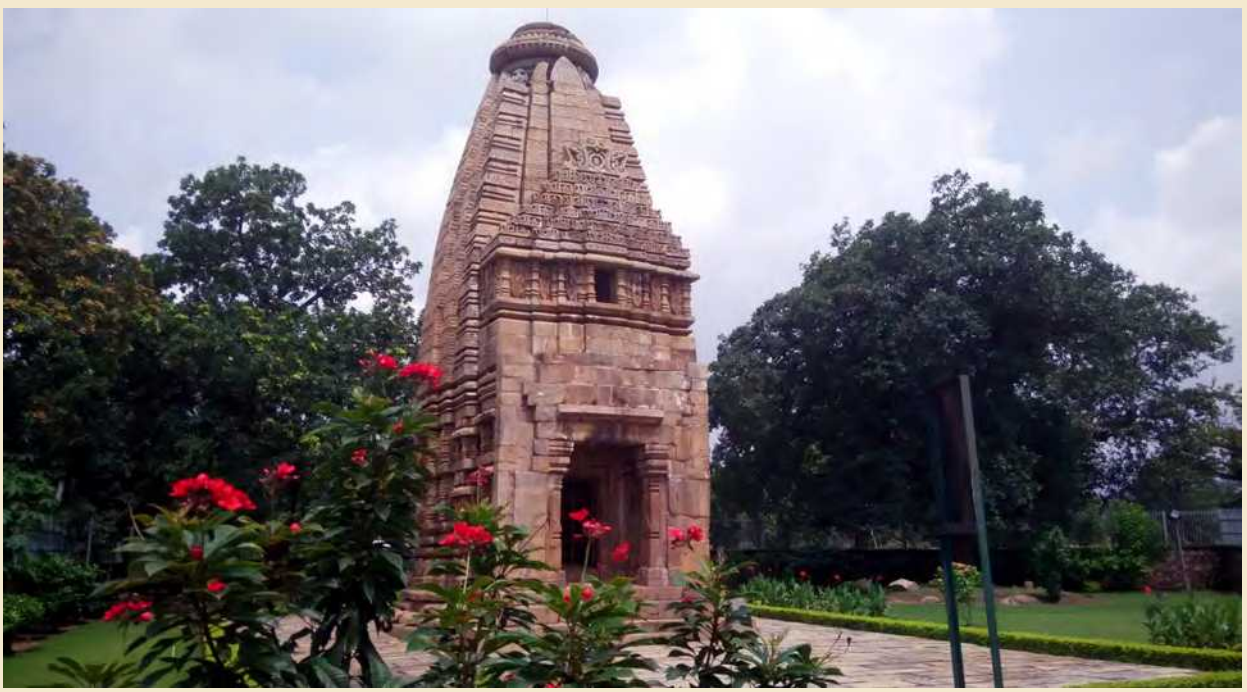

मामा–भांजा मंदिर, बारसूर, दंतेवाड़ा

04. जिला कांकेर

- ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत नथियानवागांव में रू. 71.32 लाख की लागत से Way Side Amenities के निर्माण हेतु Telecommunications Consultants India Limited (TCIL) को कार्यादेश प्रदान किया गया।

05. जिला कबीरधाम

- बैगा पर्यटक रिसॉर्ट, सरोधा दादर में नलकूप खनन कार्य हेतु जिला कलेक्टर को राशि रु. 2.24 लाख की स्वीकृति एवं राशि प्रदान कर कार्य कराया गया।
- बैगा पर्यटक रिसॉर्ट सरोधा दादर में निर्मित काटेजों, रेस्टॉरेंट तथा वाच टावर का पेंटिंग कार्य हेतु वनमंडलाधिकारी वनमंडल कबीरधाम राशि रू. 15.78 लाख स्वीकृति एवं राशि जारी कर कार्य कराया गया।
- सरोधा दादर में रिसॉर्ट प्रागंण में सीमेंट कांक्रीटीकरण कार्य, 02 ओव्हर हेड वाटर टैंक का निर्माण हेतु वनमंडलाधिकारी वनमंडल कर्वधा को 105.64 लाख की स्वीकृति के विरूद्ध अंतिम किस्त रु. 25.475 लाख जारी की गयी एवं कार्य पूर्ण कराया गया।
- सरोधा दादर में ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत रू. 510.78 लाख की लागत से आर्टिज़न सेंटर, कैफेटेरिया, सोवेनियर शॉप्स, पर्यटक स्वागत/सुविधा केंद्र, एम्फीथियेटर, इंटरप्रिटेशन सेंटर, साइनेज, प्रवेश द्वार, रेलिंग, टेंट प्लेटफार्म एवं टायलेट के निर्माण हेतु Telecommunications Consultants India Limited (TCIL) को कार्यादेश प्रदान किया गया।
- बैगा पर्यटक रिसॉर्ट, सरोधा दादर में रू. 18.15 लाख की लागत से एडवेंचर गतिविधियों (zip line, rope courses, net climbing , archery, telescope, safety equipment) की स्थापना के लिए वनमंडलाधिकारी को स्वीकृति जारी की गयी।

बैगा टूरिस्ट रिसोर्ट, सरोधा दादर, कबीरधाम

06. जिला मुंगेली

- मद्कू द्वीप में सी.सी रोड ,पगोड़ा, डस्ट बीन, पुराने आर.सी.सी.रोड का बारबेड वायर फेसिंग एवं 03 नग पुरुष एवं महिला प्रसाधन के निर्माण हेतु वनमंडलाधिकारी मुंगेली को रू. 42.85 लाख की जारी की गयी स्वीकृति के विरूद्ध द्वितीय किस्त रू. 21.92 लाख जारी किये गए।

07. जिला बिलासपुर

- ग्राम कुरदर (तहसील ओड़गी) में ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत रू. 66.37 लाख की लागत से सोलर प्रकाशीकरण एवं बोरवेल तथा रू. 354.71 लाख की लागत से लागहट्स, कैफेटेरिया, पगोड़ा, पार्किंग, ओव्हरहेड टैंक, पाथवे, सी.सी.रोड, लैंडस्केपिंग, साइनेज, टेंट प्लेटफार्म, के निर्माण हेतु Telecommunications Consultants India Limited (TCIL) को कार्यादेश प्रदान किया गया।
- ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत रतनपुर में रू. 54.43 लाख की लागत से Way Side Amenities के निर्माण हेतु Telecommunications Consultants India Limited (TCIL) को कार्यादेश प्रदान किया गया।

08. जिला सरगुजा

- मैनपाट में ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत रू. 1025.53 लाख की लागत से पर्यटक सुविधा केंद्र, इंटरप्रिटेशन सेंटर, टायलेट, डेशेल्टर, फेंसिंग, पार्किंग, टेंट प्लेटफार्म, कुकिंग स्पाट, बोरवेल, लैंडस्केपिंग, ओव्हरहेड टैंक, साइनेज, लागहट्स, सोलर प्रकाशीकरण के निर्माण हेतु Telecommunications Consultants India Limited (TCIL) को कार्यादेश प्रदान किया गया।
- मैनपाट में ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत रू. 473.14 लाख की लागत से टाइगर पाइंट, मछली पाइंट, जलजली, परपटिया में पर्यटक विकास कार्य जैसे – टायलेट, डेशेल्टर, फेंसिंग, सीढ़िया, टेंट प्लेटफार्म, कुकिंग स्पाट, ओव्हर हेड टैंक एवं पाइपलाइन हेतु जिला कलेक्टर को कार्यादेश जारी किया गया।

09. जिला जशपुर

- ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत कुनकुरी में रू. 54.43 लाख की लागत से Way Side Amenities के निर्माण हेतु Telecommunications Consultants India Limited (TCIL) को कार्यादेश प्रदान किया गया।

अन्य कार्य –

- कुदरगढ़ जिला सूरजपुर में रोपवे की स्थापना के लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने हेतु RITES, New Delhi के माध्यम से सर्वे कार्य प्रारंभ कराया गया है।
- युवा पर्यटकों को आकर्षित करने एवं छ.ग. में साहसिक पर्यटन के प्रचार – प्रसार हेतु 6th Gear Bike Riders Club के साथ निम्नलिखित बाईक राइडिंग का आयोजन किया गयाः–
  - दिनांक 08 – 09 जूलाई 2017 को रायपुर से सरोधा दादर तक बाईक राइडिंग का आयोजन किया गया। जिसमें 60 राइडर्स ने भाग लिया।
  - दिनांक 16 – 17 सितंबर 2017 को रायपुर से सिरपुर एवं बारनवापारा तक बाईक राइडिंग का आयोजन किया गया। जिसमें 65 राइडर्स ने भाग लिया।

रायपुर से सरोधा दादर तक बाईक राइडिंग का आरंभ मान. पर्यटन मंत्री द्वारा

Tourism on Wheels
Cycling Expedition

टूरिज्म ऑन व्हील – पर्यटन एवं पर्यावरण

आगामी कार्य योजनाएं

- मैनपाट एवं पंड्रापाट रिसॉर्ट को योग केंद्र एवं आयुर्वेद केंद्र के रूप में निजी निवेश के माध्यम से विकसित करना ।
- डोंगरगढ़ में मोटल निर्माण कार्य प्रारंभ करना।
- कुदरगढ़ जिला सूरजपुर में रोपवे की योजना तैयार करना।
- पर्यटन मंडल के द्वारा निर्मित होटल/मोटल/रिसॉर्ट/विश्राम गृहों (मैनपाट, चित्रकोट, सिरपुर, सरोदादादर, कबीर चबूतरा, भोरमदेव, खूंटाघाट, खूड़िया एवं माचाडोली) को ईको फ्रेंडली बनाने के उद्देश्य से उन्हें सोलर उर्जा से सुसज्जित किया जाना।
- सिरपुर एवं भोरमदेव में साउंड एंड लाइट शो का विकास करना।
- पुरातात्विक महत्व के पर्यटन स्थलों का प्रकाशीकरण करना।
- निजी निवेशकों के माध्यम से गंगरेल, हसदेव बांगो, कोडार डैम एवं समोदा बैराज (ग्राम निसदा, जिला रायपुर) को वाटर स्पोर्ट्स एवं एडवेंचर गतिविधियों के पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करना ।
- निजी निवेशकों के माध्यम से स्वामी विवेकानंद सरोवर (बूढ़ा तालाब), रायपुर का सौंदर्यीकरण तथा यहाँ पर्यटन गतिविधियों का विकास एवं उसका संचालन कराना।
- सरोधा जलाशय, खूंटाघाट, चित्रकोट एवं कोसारटेडा जलाशय में वाटर स्पोर्ट्स एवं अन्य पर्यटन मनोरंजक सुविधाओं का विकास करना।
- केंद्रीय परियोजना ''ट्रायबल टूरिज्म सर्किट'' के तहत पर्यटन संरचनाओं एवं सुविधाओं के विकास कार्यो का क्रियान्वयन किया जाना।
- भारत सरकार के अनुमोदन उपरांत स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत रामायण सर्किट के तहत दण्डकारण्य सर्किट का परियोजना प्रस्ताव तैयार करना।
- भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत ईको टूरिज्म सर्किट का परियोजना प्रस्ताव तैयार करना।
- भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से स्पेशल टूरिज्म ज़ोन के विकास की संभावनाओं का परीक्षण करना।

चित्रकोट जलप्रपात में वाटर स्पोर्ट्स एवं अन्य पर्यटन मनोरंजक सुविधाओं का विकास

सोशल मीडिया में छत्तीसगढ़ पर्यटन

छत्तीसगढ़ राज्य प्राकृतिक सौन्दर्य और जैव विविधताओं से परिपूर्ण है। ऐतिहासिक स्थल, प्राचीन मंदिर, मानव निर्मित संरचनाएं, वन और वन्य जीव साथ ही दैनिक जीवन में अपनी अनमोल संस्कृति की छाप छत्तीसगढ़ की धरोहर हैं। इसी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषता को देश–विदेश तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल निरंतर प्रयासरत है।

इस दिशा में अपने पहले प्रयास के रूप में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने सोशल मीडिया के सबसे प्रचलित माध्यम फेसबुक पर "छत्तीसगढ़ टूरिज्म" के नाम से अपनी उपस्थिति दर्ज की, नवम्बर 2011 से अस्तित्व में आए छत्तीसगढ़ टूरिज्म पेज के माध्यम से लगभग 1 लाख 62 हजार लोग हमसे जुड़ चुके हैं और हर साल देश–विदेश के पर्यटक छत्तीसगढ़ के अमूल्य सौंदर्य से आकर्षित होकर प्राचीन कथाओं–कलाकृतियों और प्रकृति के रहस्यों की खोज में आते हैं।

फेसबुक की तरह ट्विटर में भी छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल सन् 2011 से सक्रिय है। जहां ट्विटर अकाउंट पर लगभग 85 हजार लोग हमें फॉलो करते हैं। हमारे द्वारा किये गये ट्वीट्स को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय पर्यटन मंत्री, गुजरात पर्यटन आदि के द्वारा रीट्वीट् भी किये जाते रहे हैं। इसी तरह "इन्स्टाग्राम" और "यू–ट्यूब चौनल" के द्वारा भी हम छत्तीसगढ़ राज्य की जानकारियों को इनोवेटिव तरीकों से लोगों तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

छत्तीसगढ़ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया को चुनने का सबसे महत्वपूर्ण कारण है – विश्व भर में इसकी पहुँच। आज पूरा विश्व एक क्लिक में समा चुका है और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म ने इसे और भी विस्तार दिया है। सोशल मीडिया के माध्यम से आप अपनी हर तरह की जानकारी को अन्य लोगों के साथ शेयर कर सकते हैं, चाहे वे किसी भी शहर, किसी भी राज्य या फिर किसी भी देश के हों. सोशल मीडिया ने सीमाओं को समाप्त कर दिया है। आज विश्व की आधी से अधिक आबादी सोशल मीडिया पर मौजूद है। इसी का लाभ उठाते हुए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने छत्तीसगढ़ की खूबसूरती को दुनिया के सामने लाने के लिए सोशल मीडिया को अपनाया और इसके सकारात्मक परिणाम भी हमें प्राप्त हुए हैं।

हाल ही में, हमने वायु प्रदूषण को कम करने और प्रकृति के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए साइकिलिंग एक्सपीडिशन इवेंट "टूरिज्म ऑन व्हील्स" का आयोजन किया गया। दो भागों में आयोजित इस इवेंट में लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया. फेसबुक के माध्यम से इस इवेंट को लोगों तक पहुँचाया गया और लोगों को इस इवेंट में शामिल होने को आमंत्रित किया गया। परिणामस्वरूप 400 किमी की इस साइकिल राइड में देश के ही नहीं विदेशों से भी साइकिलिस्ट ने भी हिस्सा लिया।

आपसी सहभागिता के साथ देश में पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वकांक्षी योजना "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के तहत गुजरात राज्य के साथ मिलकर हमने कई इवेंट्स को पूरा किया है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी इस योजना के बेहतर संचालन के लिए छत्तीसगढ़ व गुजरात पर्यटन मंडल की संयुक्त रूप से सराहना की है।

प्रभावी प्रचार–प्रसार कार्य एवं प्राप्त पुरस्कार

सफारी इंडिया (पटवा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित साउथ एशिया ट्रेव्हल अवार्ड 2017 में छत्तीसगढ़ पर्यटन को **''बेस्ट डेस्टीनेशन फॉर ट्रायबल टूरिज्म''** अवार्ड प्रदाय किया गया ।

1. छत्तीसगढ़ पर्यटन के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर के प्रमुख पत्र पत्रिकाओं में विज्ञापन का प्रकाशन किया गया है, जिसके नाम निम्नानुसार है :– प्रमुख पत्र–पत्रिकायें निम्न है – मनोरमा इयर बुक, वन्डरलस्ट, स्टील 360, सफारी इंडिया, बिजनेस स्टेट, भारतीय वन सेवा काफी टेबल बुक, आई.बी.सी. 24 शारदा स्कालरशिप काफी टेबल बुक, छत्तीसगढ़ सुराज, समवेत सृजन, बस्तर बन्धु, महानदी वार्ता, दैनिक दंबंग दुनियां, नई सदी, लोकप्रिय मितान, दैनिक तरूण छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ पॉवरगेम, दैनिक प्रखर समाचार पत्र, नई दुनिया जागरण कैलेण्डर, संस्कृति गंगा, छत्तीसगढ़ राज्य, छ.ग. किसान चेतना, चैनल इंडिया, वर्तमान चक्र, जगतराज, पंचायत तंत्र, सतनाम सार, सतयुग संसार, हेडलाईन छ.ग., नवांकुर, स्मृति मंजुशा, दैनिक अग्रदुत आदि में विज्ञापन प्रकाशित कराया गया है।
2. छत्तीसगढ़ पर्यटन के वाईल्ड लाईफ डेस्टिनेशन के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु एक उच्च स्तरीय सचित्र आकर्षक कॉफी टेबल बुक 'वाईल्ड छत्तीसगढ़' तथा पांच प्रमुख वाईल्ड लाईफ सेंचुरी एवं राष्ट्रीय उद्यानों पर आधारित ''सेंचुरी गाईड बुक'' तैयार कराया गया है, जिसका विमोचन माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया ।
3. भारतीय डाक विभाग के माध्यम से छत्तीसगढ़ पर्यटन के प्रचार–प्रसार हेतु राजिम कुंभ (कल्प) मेला 2018 की थीम पर आधारित विशेष आवरण लिफाफा मुद्रण कार्य कराया गया।
4. बायसिकल पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से बाईसिकल राईडिंग 'टूरिज्म ऑन व्हिल्स' के प्रचार–प्रसार हेतु आई.बी.सी. 24, ई.टी.वी. तथा रेडियों मिर्ची में विज्ञापन/जिंगल प्रसारण किया गया है। इसी प्रकार रायपुर शहर का प्रमुख स्थल मरीन ड्राईव, तेलीबांधा के सामने एवं जगदलपुर शहर में होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन कार्य किया गया है। एवं पर्यटन के प्रचार–प्रसार हेतु भगत सिंह चौक तथा मरीन ड्राईव के सामने तेलीबांधा रायपुर में दो नग होर्डिंग विज्ञापन प्रदर्शित किया गया।

कॉफी टेबल बुक 'वाईल्ड छत्तीसगढ़' तथा पांच प्रमुख वाईल्ड लाईफ सेंचुरी एवं राष्ट्रीय उद्यानों पर आधारित ''सेंचुरी गाईड बुक'' का विमोचन माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया

5. पर्यटन के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु छत्तीसगढ़ पर्यटन के विभिन्न जानकारियों, डाक्यूमेंट्री/विडियो आदि को समाहित कर क्रेडिट कार्ड पैटर्न पैनड्राईव का निर्माण कराया गया है।

6. राजधानी रायपुर के मैग्नेटो द माल में पी.वी.आर. सिनेमा टिकट काउन्टर के सामने वॉल पर विज्ञापन प्रदर्शन, स्टेण्डी के माध्यम से मॉल के प्रमुख स्थानों पर विज्ञापन प्रदर्शन तथा मॉल के प्रवेश हॉल पर केनोपी सूचना केन्द्र स्थापित कर प्रचार–प्रसार कार्य किया गया। इसी प्रकार विधान सभा रोड पर स्थित अबुंजा मॉल के प्रमुख स्थानों पर स्टेण्डी के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित कर प्रचार–प्रसार कार्य किया गया।

7. वेबसाइट्स में छत्तीसगढ़ पर्यटन तथा संचालित योजनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु प्रमुख वेबसाइट न्यूज लल्लुरामडाटकॉम, न्यूपॉवरगेमडाटकाम तथा न्यूजहिन्दुस्तानडाटकाम आदि में विज्ञापन प्रदर्शन कार्य किया गया।

8. किफायती दरों पर पर्यटन स्थलों के भ्रमण हेतु संचालित योजना ''रमन जन पर्यटन योजना'' के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु क्यूब सिनेमा के माध्यम से छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों में ग्लीड्ज सिनेमा स्क्रीन पर विज्ञापन प्रसारण कार्य किया गया। साथ ही रेडियो चैनल्स रेडियो मिर्ची, 94.3 माय एफ.एम. में भी जिंगल प्रसारित कर प्रचार–प्रसार कार्य किया गया एवं योजना के प्रचार–प्रसार हेतु पेम्पलेट मुद्रण कार्य किया गया है।

9. छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु आकर्षक विडियो स्पॉट/डाक्यूमेंट्री 'अनफोल्डिंग बस्तर' तैयार कराया गया है।

10. नया रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन को सिनेमैटिक डेस्टिनेशन के रूप में प्रचार–प्रसार किये जाने हेतु विडियो स्पॉट का निर्माण कराया गया है।

11. प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से प्रचार–प्रसार सामग्री रखकर प्रदाय किये जाने हेतु दो डिजाईनों में आकर्षक जूट बैग हस्तशिल्प विकास बोर्ड से तथा बस्तर थीम पर आधारित आकर्षक पेपर बैग का मुद्रण छत्तीसगढ़ संवाद के माध्यम से कराया गया है।

12. पर्यटन स्थलों पर आधारित अलग–अलग 31 प्रकार के हिन्दी ब्रोशर्स एवं 34 प्रकार के अंग्रेजी ब्रोशर्स का मुद्रण छत्तीसगढ़ संवाद के माध्यम से कराया गया है।

13. छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित होटल/मोटल तथा उपलब्ध सुविधाओं एवं प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी समाहित कर 16 पेज का पैकेज टूर बुकलेट का मुद्रण छत्तीसगढ़ संवाद के माध्यम से कराया गया है।

14. आई.बी.सी. 24 न्यूज चैनल, ई.टी.वी. म.प्र., छ.ग. चैनल, सहारा समय म.प्र., छ.ग. आदि प्रमुख चैनल में स्क्रॉल, स्पॉट एवं एल बैड एडवरटाईजमेंट पर्यटन के प्रचार–प्रसार हेतु प्रसारित किया गया ।

टाईम्स ऑफ इंडिया के कार्यक्रम ''टाइम्स आईकॉन्स ऑफ हेल्थ'' में मान. मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल को विशेष सम्मान

पर्यटन प्रचार प्रसार सामग्री का निर्माण

15. ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के तहत गुजरात राज्य के साथ मिलकर किये गये कार्यो एवं पर्यटन के प्रचार–प्रसार हेतु म.प्र., छ.ग. सहारा चैनल पर विज्ञापन प्रसारित किया गया।

16. छत्तीसगढ़ पर्यटन की योजनाओं, पर्यटन स्थल में प्रदाय सुविधाओं आदि की जानकारी शासकीय, आशासकीय संस्थाओं, ब्यूरो क्रेट्स/मीडिया/अन्य प्रमुख जनों तथा आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्वेश्य से आकर्षक तिमाही न्यूज लेटर का प्रकाशन किया जा रहा है।

17. एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत गुजरात राज्य के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रचार–प्रसार हेतु प्रदर्शन तथा अन्य आयोजनों में प्रचार–प्रसार हेतु महाप्रभु वल्लभाचार्य जी की जन्म स्थली एवं प्रमुख पर्यटन स्थल चम्पारण्य का विडियो स्पॉट/डाक्यूमेंट्री तैयार कराया गया है।

18. धार्मिक पर्यटन स्थलों के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से गिरौदपुरीधाम के ''जैतखम्भ'' तथा छ.ग. के ''शक्तिपीठ देवीयों'' पर आधारित पोस्टर्स का मुद्रण कराया गया है।

19. आई.बी.सी. 24 द्वारा आयोजित ''रायपुर गोईंग पिंक'' ए रन फार फिटनेस फार फिट फाईटर्स में सहभागिता किया गया।

20. ई.टी.वी. (म्र.प., छ.ग.) द्वारा आयोजित ''राईजिंग छत्तीसगढ़'' में सहभागिता कर प्रचार–प्रसार कार्य किया गया।

21. पोला महोत्सव के प्रचार–प्रसार हेतु 94.3 माय एफ.एम. के रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशन में जिंगल प्रसारण किया गया, हेरिटेज पर्यटन के प्रचार–प्रसार हेतु भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय के निर्देशानुसार हेरिटेज वॉक सिरपुर के प्रचार–प्रसार हेतु रेडियो मिर्ची में जिंगल प्रसारण कार्य किया गया ।

22. पर्यटन के प्रचार–प्रसार हेतु द पत्रिका ग्रुप छ.ग. द्वारा आयोजित कार्यक्रम ''तड़का सोशियल एण्ड सी.एस.आर. अवार्ड'' में सहभागिता किया गया।

23. पर्यटन के प्रचार–प्रसार हेतु टाईम्स ऑफ इंडिया ग्रुप द्वारा आयोजित कार्यक्रम ''टाइम्स आईकॉन्स ऑफ हेल्थ छत्तीसगढ़'' में सहभागिता किया गया ।

24 देशभक्ति के लिए प्रोत्साहित करने के उद्वेश्य से धार्मिक पर्यटन स्थल बंजारी मंदिर रायपुर में तैयार किये गये अमर जवान ज्योत में सहभागिता किया गया।

'टूरिज्म ऑन व्हील्स' का होर्डिंग द्वारा प्रचार–प्रसार

वर्ष 2017–18 में आयोजित इवेंट्स में सहभागिता

वर्ष 2017–18 के अध्ययन टूर यात्रा

कमांक	यात्रा का नाम	स्थान
01	अध्ययन यात्रा	फ्रांस एवं स्वीट्जरलैण्ड
02	अध्ययन यात्रा	साउथ अफ्रीका एवं केन्या

वर्ष 2017–18 में आयोजित इवेंट्स में सहभागिता (राष्ट्रीय स्तर पर)

क्र.	इवेंट का नाम एवं प्रकार	स्थान
01	टूरिज्म फेयर 2017	कोलकाता
02	इंडिया टूरिज्म एण्ड टूरिज्म एक्जिबिएसन (आई.आई.टी.ई.) हावड़ा में सहभागिता	कोलकाता
03	आई.आई.एम.एस. इवेंट ''पल्स'' सेमीनार में सहभागिता	नई दिल्ली
04	आजादी द इंडपेन्डेंट फेस्ट	रायपुर
05	राष्ट्र वंदन शहीदो को नमन में लोगो सहभागिता	नई दिल्ली
06	बी.एस.एफ. एक्जिबिसन में सहभागिता	भिलाई
07	स्वदेशी मेला एण्ड बुद्धा महोत्सव हेतु स्टॉल डेकोरेशन कार्य	रायपुर
08	टूरिज्म फेयर 2017	रायपुर
09	सिंगापुर ग्लोबल कन्वेंसन ऑन कॉर्पोरेट इथीक एण्ड रिस्क मैनेजमेंट में सहभागिता	नई दिल्ली
10	काटूॅन फेस्टिवल 2017 में सहभागिता	लखनऊ
11	नई दिल्ली में आयोजित भारत पर्व 2017 हेतु स्टॉल डेकोरेशन कार्य	नई दिल्ली
12	वन बन्धु परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता	रायपुर
13	33वां IATO कन्वेशन 2017	भुवनेश्वर

वर्ष 2017–18 में आयोजित इवेंट्स में सहभागिता (राज्य स्तर पर)

क्र.	इवेंट का नाम एवं प्रकार	स्थान
01	ओजस्विनी महोत्सव 2017 में सहभागिता	रायपुर
02	ग्लोबल एलुमनी मीट 2017 में सहभागिता	रायपुर
03	एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत राज्योत्सव 2017 हेतु स्टॉल डेकोरेशन कार्य	रायपुर
04	चतुर्थ योग स्पोर्ट्स में लोगो स्पान्सरशिप	रायपुर

छत्तीसगढ़ पर्यटन रोड शो – टूरिज्म मीट

18 अगस्त 2017 को नागपुर में आयोजित टूरिज्म मीट

13 सितंबर 2017 को चित्रकोट में आयोजित टूरिज्म मीट

वर्ष 2017–18 में आयोजित इवेंट्स में सहभागिता (क्षेत्रीय स्तर पर)

क्र.	इवेंट का नाम एवं प्रकार	स्थान
01	आई.आई.एम. रायपुर द्वारा आयोजित मैराथन – प्रयास में सहभागिता	रायपुर
02	सहारा न्यूज चैनल द्वारा आयोजित दिल से दिल की बात कार्यक्रम में सहभागिता	रायपुर
03	इंडोर स्टेडियम, रायपुर में आयोजित इवेंट हेतु स्टॉल डेकोरेशन	रायपुर
04	राष्ट्रीय आमंत्रण फेस्ट एथलेटिक्स मिट	रायपुर
05	ए.आई.आई.एम.एस. द्वारा आयोजित लिटेरली कल्चर एण्ड स्पोर्ट्स फेस्ट ओरिना 2017 में को–सहभागिता	रायपुर
06	बस्तर दशहरा 2017 हेतु स्टॉल डेकोरेशन कार्य	बस्तर
07	वार्षिक फ्लेगशिप इवेंट में सहभागिता	रायपुर
08	हरिहर मड़ई मेला 2017 में सहभागिता	रायपुर
09	मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी के 5000 दिन आपके साथ कार्यक्रम में लोगो स्पान्सरशिप	रायपुर
10	20 दिवसीय शांति रैली यात्रा में स्पान्सरशिप	रायपुर
11	केन्द्र सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यक्रम हेतु इंडोर स्टेडियम में स्टॉल निर्माण	रायपुर
12	मिस एण्ड मिसेज हाउस वाइफ छत्तीसगढ़ वेयरस द मेगा इवेंट ऑफ मेगा फाइनल्स में सहभागिता	रायपुर
13	जैन युवा मंच द्वारा आयोजित मेगा ट्रेड फेयर में स्टॉल लगाकर सहभागिता	रायपुर

वर्ष 2017–18 में आयोजित मेला/महोत्सव

क्र.	इवेंट का नाम एवं प्रकार	स्थान
01	बिलासपुर कार्निवाल 2017 (मेला)	बिलासपुर
02	राज्योत्सव 2017	नया रायपुर
03	अनुपम खेर के साथ पर्यटन पर्व का आयोजन	कुरूद (धमतरी)
04	पर्यटन पर्व के अवसर पर हेरिटेज वॉक का आयोजन	सिरपुर
05	राजिम महोत्सव 2017	राजिम
06	गुजरात पर्यटन नवरात्रि महोत्सव 2017	अहमदाबाद,
07	बस्तर दशहरा 2017	बस्तर
08	पोला दौड़ में सहभागिता	मड़ियापार, दुर्ग
09	भोरमदेव महोत्सव 2017	कवर्धा
10	मैनपाट महोत्सव 2017	मैनपाट
11	कलार समाज मेला 2017	गुरूर (बालोद)
12	मुनी चुंवा मेला 2017	बलौदाबाजार
13	पंथी नृत्य प्रतियोगिता	नंवागढ़
14	सिरपुर कांवरिया	सिरपुर

छत्तीसगढ़ पर्यटन रोड शो – 21 सितंबर 2017
टूरिज्म मीट अहमदाबाद

पर्यटन रोड शो में गुजरात पर्यटन के सचिव एवं प्रबंध संचालक की उपस्थिति

छत्तीसगढ़ पर्यटन रोड शो –
छत्तीसगढ़ पेवेलियन, नवरात्रि उत्सव, अहमदाबाद

नवरात्रि उत्सव, अहमदाबाद में छत्तीसगढ़ एक भारत श्रेष्ठ भारत पेवेलियन एवं पर्यटन स्टॉल

मान. श्री विजय रूपाणी, मान. मुख्यमंत्री गुजरात
छत्तीसगढ़ पेवेलियन में

मान. पर्यटन मंत्री श्री गनपतसिंह वसावा के
कर कमलों से छत्तीसगढ़ पेवेलियन का उद्घाटन

महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में स्वच्छता अभियान

1. भारत सरकार एवं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन निर्धारित कार्यक्रम अनुसार किया गया। पर्यटन विभाग के लिये स्वच्छता पखवाड़े की तिथि 16/09/2017 से 30/09/2017 निर्धारित की गई थी। निर्धारित तिथि अनुसार छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया।

   जिसका विवरण निम्नानुसार हैं –

1.	पुरातात्विक पर्यटन स्थल – सिरपुर	लक्ष्मण मंदिर परिसर से बौद्ध विहार तक विद्यालयीन छात्रों के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा पॉलीथीन मुक्त रखने हेतु प्रेरित किया गया।
2.	मैनपाट–	जल जली तथा मेहता पांइट में विद्यालयीन छात्रों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गयाा।
3.	जगदलपुर–	चित्रकोट जलप्रपात के समीप स्वच्छता अभियान किया गया।
4.	धमतरी–	अंगार मोती परिसर शीतला माता मंदिर परिसर मंदिर ट्रस्ट एवं विधालयीन छात्रों तथा ग्रामीणों के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें नियमित साफ सफाई के लिये जागरूक कर एवं कचड़े को कूड़ेदान में डालने के लिये प्रेरित किया गया।
5.	खूटाघाट–	गौरा–गौरी टूरिस्ट रिर्सार्ट खूटाघाट रतनपुर जिला बिलासपुर में रिसोर्ट एवं बांध में स्वच्छता अभियान महामाया महिला स्व सहायता समूह के सहयोग से किया गया।

पद्मविभूषण श्रीमति तीजन बाई एवं क्रिकेटर श्री राजेश चौहान के साथ सिरपुर में स्वच्छता अभियान

अन्य प्रचार प्रसार कार्य

1. भारत सरकार एवं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन निर्धारित कार्यक्रम अनुसार किया गया। पर्यटन विभाग के लिये स्वच्छता पखवाड़े की तिथि 16/09/2017 से 30/09/2017 निर्धारित की गई थी। निर्धारित तिथि अनुसार छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया।
   जिसका विवरण निम्नानुसार हैं –
2. सोशल मीडिया के माध्यम से छ.ग. के पर्यटन स्थलो का प्रचार–प्रसार (हिन्दी एवं अंग्रेजी) linkedin, Facebook, Pinterest, Twitter, Instagram, Slideshare, Youtube इत्यांदि में किया जा रहा है। सोशल मिडिया एवं वेबसाइट के लिये प्रचार सामग्री तैयार की गई।
3. स्थानीय पर्यटक गाईड हेतु 65 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया है। जिन्हे प्रशिक्षण हेतु इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टूरिज्म एण्ड ट्रेवल मैनेजमेंट (I.I.T.T.M.) ग्वालियर, म. प्र. भेजा गया था एवं द्वितीय चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम पुरातात्विक पर्यटन स्थल सिरपुर में किया गया। ग्रुप II के प्रशिक्षणार्थियों को प्रथम चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो चुका है। फील्ड ट्रेनिंग का प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी फरवरी माह में सुनिश्चित किया गया है।
4. जनसम्पर्क शाखा द्वारा समय–समय पर आवश्यकतानुसार पर्यटन मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय दूतावास आदि से पत्राचार तथा मौखिक रूप से सम्पर्क स्थापित किया जाता है।
5. भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रति वर्ष भारतीय मूल के विदेशों में बसे भारतीयों के लिए "Know India Program" का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष इस आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ को पार्टनर स्टेट चुना गया है इसमें 45 छात्रों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के पर्यटन स्थलों में पुरातात्विक पर्यटन स्थल रायपुर, भिलाई, सिरपुर, बारनवपारा, गंगरेल, कोडागांव चित्रकोट एवं कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में दंडक गुफा एवं तीरथगढ़ का भ्रमण करवाया गया।
6. त्रैमासिक न्युजलेटर का प्रकाशन जनवरी 2015 से नियमित रूप से किया जा रहा है, जिसमे छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलो से संबधित जानकारी का उल्लेख किया जाता हैं।
7. छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के आमंत्रण पर तुर्की के मिनिस्ट्री आफ कल्चर एण्ड टूरिज्म और टर्की होटेलियरस एसोसिएशन के 6 सदस्यी प्रतिनिधि मंडलों को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों सिरपुर, बारनवापारा, गिरौदपुरीधाम, जंगल सफारी, पुरखौती मुक्तांगन, रायपुर का भ्रमण करवाया गया। उक्त प्रतिनिधि मंडल ने छ.ग. और तुर्की के पर्यटन स्थल संस्कृति का प्रचार–प्रसार करने पर चर्चा की। तुर्की के पर्यटकों को छत्तीसगढ़ आने और छत्तीसगढ़ के पर्यटकों को तुर्की भेजने की संभावनाओं पर विचार विमर्श किया गया।

   उक्त दल ने छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री मान. श्री दयालदास बघेल, पर्यटन संस्कृति विभाग की सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, प्रबंध संचालक, श्री एम.टी. नंदी छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल से मुलाकात की।

"Know India Program" के अंतर्गत अप्रवासी भारतीय छात्रों के साथ पर्यटन मंत्री एवं अधिकारीगण

एक भारत श्रेष्ठ भारत

एक भारत श्रेष्ठ भारत
छत्तीसगढ़ - गुजरात

प्रधान मंत्री, माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजना **''एक भारत श्रेष्ठ भारत''** में वर्ष 2017–2018 में अब तक गुजरात एवं छत्तीसगढ़ के बीच लगभग तीस गतिविधियों का आदान–प्रदान हो चुका है। जिसमें प्रमुख तौर पर फेम ट्रिप, सास्कृतिक कार्यक्रम, मेले महोत्सव, रोड शो, शिक्षा, खेल एवं कृषि से संबधित गतिविधियाँ शामिल है। इसके अतिरिक्त दोनों राज्यों में एक–दूसरे की भाषा एवं बोली को बढ़ावा देने के लिये स्कूल एवं कालेजों में प्रमुख तौर पर कार्य किये जा रहें हैं। दोनो राज्यों के कार्यकलापों को Social Media के माध्यम से भी प्रचारित किया जा रहा है। आकाशवाणी एवं दूरदर्शन द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार दोनो राज्यो की गतिविधियों का कवरेज किया जा रहा है।

''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' योजना के अन्तर्गत वर्ष 2017–2018 में संपादित किये गये कार्यो का विवरण निम्नानुसार है :–

1. ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य एवं गुजरात राज्य के मध्य दिनांक 21 जनवरी 2017 को आपसी समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किये गये।
2. छत्तीसगढ़ राज्य के एक हजार वरिष्ठ नागरिकों के दल द्वारा गुजरात राज्य के धार्मिक/तीर्थ स्थल यथाः– सोमनाथ, द्वारका तथा नागेश्वर का दिनांक 28 जनवरी 2017 से 31 जनवरी 2017 तक दर्शन किया गया।
3. गुजरात राज्य के सांस्कृतिक समूह के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में आयोजित राजिम कुंभ में दिनांक 18, 19, 20 फरवरी 2017 को सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती की गई।
4. अंतर्राज्यीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के गरियाबंद जिले के किसानों द्वारा आनंद एवं नवसारी (गुजरात) में दिनांक 8 से 18 फरवरी 2017 तक आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया गया।
5. गुजरात राज्य के 20 स्वयं सेवकों द्वारा अमलेश्वर जिला दुर्ग में दिनांक 09 से 15 फरवरी 2017 तक आयोजित NSS Camp में भाग लिया गया।
6. गुजरात राज्य में गुजरात स्पोटर्स युनिवर्सिटी द्वारा दिनांक 23 अप्रैल 2017 को आयोजित ग्रामीण ओलम्पिक्स में छत्तीसगढ़ राज्य की 4 टीमों ने गिल्ली डण्डा एवं अन्य पारम्परिक खेलों का प्रदर्शन किया गया।

छत्तीरगढ़ राज्योत्सव, नया रायपुर में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' गुजरात पेवेलियन

7. गुजरात राज्य के केन्द्रिय विश्वविद्यालय के 10 छात्रों को छत्तीसगढ़ राज्य के गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'छत्तीसगढ़ी कला' में दिनांक 10 से 14 जून 2017 तक प्रशिक्षण दिया गया।

8. छत्तीसगढ़ राज्य के दस विद्यार्थियों द्वारा गुजरात राज्य में साबरमती आश्रम के शताब्दी समारोह में दिनांक 25 से 30 जून 2017 तक में भाग लिया गया।

9. दिल्ली में स्थित छत्तीसगढ़ एवं गुजरात भवन में क्रमशः 05 अगस्त 2017 एवं 12 अगस्त 2017 को व्यंजन उत्सव का आयोजन किया गया।

10. गुजरात राज्य के सापूतारा में दिनांक 12 अगस्त 2017 को आयोजित सपूतारा उत्सव में छत्तीसगढ़ राज्य के आदिवासी कलाकार समूह के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया गया।

11. 15 अगस्त 2017 के समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य एवं गुजरात राज्य में क्रमशः रायपुर एवं वडोदरा में पुलिस दल के द्वारा परेड में सहभागिता की गई एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई।

12. पोला महोत्सव दिनांक 20 एवं 21 अगस्त को गुजरात के लोक कलाकारों द्वारा प्रदर्शन।

13. दिनांक 25 अगस्त 2017 को चक्रधर समारोह में गुजरात राज्य के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति रायगढ़ में दी गई।

14. बस्तर दशहरे में दिनांक 29 सितम्बर से 07 अक्टूबर के मध्य गुजरात के कलाकारों द्वारा अपनी कला का मंचन किया गया।

15. छत्तीसगढ़ राज्योत्सव दिनांक 1 नवम्बर 2017 से 5 नवम्बर 2017 तक गुजरात राज्य का पवेलियन लगाया गया। जिसमें गुजरात की हस्तकला एवं हथकरघा को प्रदर्शित किया जायेगा।

16. दिनांक 21 सितम्बर से 29 सितम्बर तक अहमदाबाद में नवरात्री महोत्सव में छत्तीसगढ के लोक कलाकारों का दल भेजा गया। तथा छत्तीसगढ़ पवेलियन में हस्तशिल्प की प्रदर्शनी लगायी गई। दिनांक 21 सितम्बर को अहमदाबाद में छत्तीसगढ़ का रोड शो एवं दिनांक 21 से 27 सितम्बर तक फेम टूर, (ट्रेवल एजेन्ट, टूर ऑपरेटर एवं मीडिया) आयोजित किया गया।

17. कच्छ में तीन माह तक चलने वालें रन उत्सव में छत्तीसगढ़ का शबरी एम्पोरियम स्टॉल लगाया गया।

18. Joint website Promotion & social media के लिये दोनो राज्यों की आई.टी. सेल द्वारा कार्य संपादित किया जा रहा है।

19. Best Practices के अन्तर्गत समय–समय पर गुजरात एवं छत्तीसगढ़ के बीच कृषि, कला एवं खान– पान खेल आदि से संबंधित वर्कशॉप एवं टूर आयोजित किया जा रहा है।

20. Kite Festival गुजरात (अहमदाबाद) में दिनांक 6 से 14 जनवरी 2018 तक आयोजित किया गया। Kite Festival के दौरान छत्तीसगढ़ के 6 पतंगबाजो के सहभागिता की। छत्तीसगढ़ के 4 सदस्यी मिडिया प्रतिनिधियों द्वारा गुजरात का भ्रमण किया गया।

21. स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट-SIHM के छात्रों को छत्तीसगढ़ में सिरपुर–बारनवापारा भ्रमण कराया गया।

22. छत्तीसगढ़ी Food Festival का आयोजन अहमदाबाद गुजरात में 29.01.2018 को किया गया।

23. गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर गुजरात राज्य की झांकी का प्रदर्शन तथा गुजरात के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति पुलिस परेड ग्राउन्ड रायपुर में किया गया।

24. Tour De Chhattisgarh के आयोजन में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' योजना के अन्तर्गत गुजरात के 5 बाइसिकल राइडर्स भी शामिल हुए है।

25. राजिम महाकुंभ 2018 में दिनांक 7 एवं 8 फरवरी को गुजरात के कलाकारों के द्वारा प्रस्तुतियां दी गई।

पोला महोत्सव दिनांक 20 एवं 21 अगस्त को गुजरात के लोक कलाकारों द्वारा प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ के दस विद्यार्थियों द्वारा गुजरात में साबरमती आश्रम के शताब्दी समारोह
दिनांक 25 से 30 जून 2017 में भाग लिया

Tour De Chhattisgarh के आयोजन में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' योजना के अन्तर्गत
गुजरात के 5 बाइसिकल राइडर्स भी शामिल हुए

दिनांक 6 से 14 जनवरी 2018 तक आयोजित Kite Festival के दौरान छत्तीसगढ़ के 6 पतंगबाजो ने सहभागिता की

छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल द्वारा संचालित पैकेज टूर :–

छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल अपने स्थापना के उद्देश्यों को पूर्ण करने की दिशा की ओर अग्रसर है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न दर्शनीय स्थलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की कोशिश छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल ने की है। जिसे राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पर्यटकों से प्रतिसाद प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ़ निश्चित रूप से न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर एक विशिष्ट पर्यटन स्थल के रूप में अपनी पहचान कायम कर रहा है एवं देश–विदेश के विभिन्न क्षेत्रों की पसंद बनकर इस क्षेत्र के विकास में अपना योगदान दे रहा है।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास के दृढ़शिल्पी के रूप में पर्यटन मण्डल अपना योगदान सर्वदा पर्यटकों को समर्पित करने हेतु सतत् प्रयत्नशील है। पर्यटन मण्डल ने छत्तीसगढ़ पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जो सार्थक प्रयास किये है उसका प्रतिसाद अब मिलने लगा है। विभिन्न राज्यों से पर्यटक अब छत्तीसगढ़ के सुरम्य पर्यटन क्षेत्रों एवं प्राकृतिक वनाच्छादित दर्शनीय स्थलों के भ्रमण हेतु अपनी उपस्थिति दर्ज कराने लगे है, जिसमें पर्यटन मण्डल द्वारा संचालित पैकेज टूर काफी सहायक साबित हो रहे है, जो निम्नानुसार है :–

1. ईको–इथेनो डिलाईट : रायपुर से (Eco-Ethno Delight :Ex- Raipur) : (3 रात / 4 दिन)
2. हैरिटेज ट्रेल : रायपुर से (Heritage Trail : Ex- Raipur) : (2 रात / 3 दिन)
3. कॉल ऑफ द जंगल : रायपुर से (Call of the Jungle : Ex- Raipur) : (1 रात / 2 दिन)
4. बुद्धिस्ट सर्किट : रायपुर से (Buddhist Circuit : Ex- Raipur) : (3 रात / 4 दिन)
5. रिवर एण्ड डेम साईट : रायपुर से (River and Dam Site : Ex- Raipur) : (2 रात / 3 दिन)

पर्यटकों की आवश्यकतानुसार एवं राज्य भर में आयोजित किये जाने वाले मड़ई, मेले तथा उत्सव को दृष्टिगत रखते हुए भी पैकेज टूर डिजाईन किये जाते हैं।

पैकेज टूर पर पर्यटकों की इच्छानुसार सुयोग्य वाहन तथा गाईड उपलब्ध कराये जाते है।

दंडामी लक्जरी टूरिस्ट रिसोर्ट, चित्रकोट, जिला बस्तर

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा स्व संचालित होटल/मोटल/विश्रामगृहों में पर्यटकों को दी जाने वाली सुविधा निम्नानुसार हैः–

क्रं.	छूट का विवरण		कक्ष किराया में छूट
1	वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष एवं उससे अधिक) को आवास कक्ष किराया में छूट		30%
2	छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके परिवार (परिवार का तात्पर्य– कर्मचारी की पत्नी, संतान, वृद्ध माता–पिता एवं आश्रित भाई बहन से है) को विविध मांगलिक कार्यो इत्यादि प्रयोजन हेतु कक्षों एवं इकाई परिसर (Lawn) के उपयोग हेतु छूट।		50%
3	छत्तीसगढ़ शासन के समस्त विभागों के अतिरिक्त केन्द्र सरकार/समस्त राज्य सरकार तथा केन्द्र/राज्य शासन के समस्त उपक्रमों के अतिथियों/कर्मचारियों/अधिकारियों को भी षासकीय प्रवास के दौरान आवासीय दरों में छूट।		50%
4	छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल द्वारा स्कूल एवं कॉलेज छात्र–छात्राओं के कक्ष आरक्षण हेतु आवासीय किराया दरों में दी जाने वाली छूट।		50%
5	छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल द्वारा स्कूल एवं कॉलेज छात्र–छात्राओं के षाकाहारी भोजन प्रति छात्र, प्रतिदिन (सुबह का नाष्ता, दोपहर का भोजन एवं रात्रि भोजन) की दर राषि रूपये 300.00 होगी ।		कोई छूट नहीं दी जावेगी।
6	इकाई के सम्पूर्ण कक्ष आरक्षित किये जाने पर कक्ष किराये दर पर दी जाने वाली छूट।		30%
7	जनप्रतिनिधि (माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण) एवं छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल के पूर्व अध्यक्ष तथा पूर्व उपाध्यक्ष को केवल स्वयं द्वारा उपभोग करने पर केवल कक्ष आरक्षण कराये जाने पर कक्ष किराया दरों पर दी जाने वाली छूट ।		50%
8	किसी भी कंपनी/संस्था/व्यक्तियों द्वारा 05 कक्ष या उससे अधिक आरक्षण कराये जाने पर कक्ष किराया में दी जाने वाली छूट।		20%
9	इकाईयों के आरक्षण हेतु प्रमुख चालन षाखा द्वारा आवष्यकतानुसार दी जाने वाली छूट।		10%
10	कार्पोरेट सेक्टर को कक्ष आरक्षण के विरूद्ध केवल मुख्यालय स्तर पर दी जाने वाली छूट ।		25%
11	निःशक्तजनो के द्वारा निःशक्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर उनको एवं उनके सहयोगी(Attendent) को एक कक्ष पर दी जाने वाली छूट ।		30%
12	पर्यटकों के दोबारा आगमन पर कक्ष आरक्षण में रियायत	आदेश कमांक 600 दिनांक 1605.2016 में उल्लेखित शर्तो के अधीन	20%
	पर्यटकों के दो से अधिक बार आगमन पर कक्ष आरक्षण में रियायत		30%
13	YHAI (Youth Hostels Association of India) के सदस्यों को YHAI के अध्यक्ष और सचिव के माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा स्वयं संचालित समस्त इकाईयों (रेस्ट हाउस/मोटल्स) आदि पर दिये जाने वाली छूट ।		30%

टीप :–खान–पान के देयकों पर किसी भी प्रकार की छूट (Discount) नहीं दी जावेगी।

- टूर ऑपरेटर, ट्रेवल एजेंट द्वारा पैकेज टूर के आयोजन पर 15 प्रतिशत (TAC) ट्रेवल एजेंट कमीशन दी जाती है।
- छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा स्वयं संचालित इकाईयों में टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट द्वारा कक्ष आरक्षण करने पर 15 प्रतिशत (TAC) ट्रेवल एजेंट कमीशन दी जाती है।
- विभिन्न राज्यों से पर्यटक अब छत्तीसगढ़ के सुरम्य पर्यटन क्षेत्रों एवं प्राकृतिक दर्शनीय स्थलों के भ्रमण हेतु अपनी उपस्थिति दर्ज कराने लगे है। पर्यटन मंडल द्वारा संचालित पैकेज टूर्स काफी महत्वपूर्ण एवं सहायक साबित हो रहे है।
- शैला टूरिस्ट रिसॉर्ट, मैनपाट, दण्डामी लग्ज़री रिसॉर्ट, चित्रकोट एवं व्हेनसांग टूरिस्ट रिसॉर्ट, सिरपुर में सर्वसुविधायुक्त कांफ्रेस हॉल अतिथियों/आगन्तुकों के लिए आयोजन हेतु उपलब्ध है।

पर्यटन मंडल द्वारा संचालित ईकाईयां

बैगा टूरिस्ट रिसॉर्ट, सरोधादादर, जिला–कबीरधाम

हरेली ईको रिसॉर्ट, मोहदा, बारनवापारा, जिला–बलौदाबाजार

बरदिहा लेक व्यू रिसोट, गंगरेल, जिला–धमतरी

छत्तीसगढ़ राज्य में देशी विदेशी पर्यटकों के ठहरने, खान पान एवं परिवहन आदि की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निम्नलिखित होटल /मोटल का संचालन किया जा रहा है:–

कं.	इकाई का नाम, प्रभारी का नाम, दूरभाष/मोबाईल कं.	कक्षों की जानकारी		दर राशि रू. में (कर सहित)					अतिरिक्त व्यक्ति सहित
		प्रकार	संख्या	ई.पी.		लॉन	हॉल	सुरक्षानिधि (साफ–सफाई हेतु)	
				सिंगल	डबल				
01	होटल जोहार छत्तीसगढ़ (रायपुर) श्री टी. एन. सिंह 0771–4014166, 091110–09013	सुईट	04	–	2500.00	75000.00	5000.00	5000.00	2800.00
		वातानुकूलित	22	1500.00	2000.00				2300.00
02	बरदिहा लेक व्यू टूरिस्ट कॉटेज, गंगरेल (धमतरी) श्री दिव्येन्दु मुखर्जी, 091110–09066	वातानुकूलित	05	1200.00	1500.00	10000.00	–	2000.00	1800.00
03	दंडामी लक्जरी रिसॉर्ट, चित्रकोट (बस्तर) श्री सुभाष ठाकुर 091110–09064, 099075–89699	वातानुकूलित कक्ष	16	2000.00	2500.00	20000.00	10000.00	2000.00	2800.00
		वातानुकूलित टेंट	13	2000.00	2500.00				
		डॉरमेट्री (बिस्तर)	30	200.00	–				
04	हरेली ईको रिसॉर्ट, मोहदा (बारनवापारा) श्री निमेश साहू 090094–51113, 091110–09042	वातानुकूलित	12	2000.00	2500.00	–	5000.00	2000.00	2800.00
05	सोनभद्र टूरिस्ट रिसॉर्ट, आमाडोब (मुंगेली) श्री कृष्ण कुमार केवट, 091110–09020	वातानुकूलित	12	2000.00	2500.00	–	–	–	2800.00
06	व्हेनसांग टूरिस्ट रिसॉर्ट, सिरपुर (महासमुन्द) श्री सचिन भोइ 091110–09033	वातानुकूलित	19	1500.00	2000.00	20000.00	10000.00	2000.00	2300.00
		डॉरमेट्री (बिस्तर)	40	200.00	–				
07	शैला टूरिस्ट रिसॉर्ट, मैनपाट (सरगुजा) श्री सौरभ वर्मा, 091110–09039	वातानुकूलित	22	2000.00	2500.00	20000.00	10000.00	2000.00	2800.00
		डॉरमेट्री (बिस्तर)	30	200.00	–				
08	पर्यटक विश्रामगृह, चम्पारण्य (रायपुर) श्री जीवनलाल दिवाकर, 091110–09065	वातानुकूलित	01	700.00	1000.00	–	–	–	1300.00
		डॉरमेट्री	18	200.00	–				
09	सुआ लेक व्यू टूरिस्ट रिसॉर्ट, तान्दुला श्री नीरज श्रीवास्तव, 091110–09062	वातानुकूलित कक्ष	02	700.00	800.00	10000.00	–	2000.00	–
			03	800.00	1200.00				1500.00
10	नागमोरी टूरिस्ट कॉटेज भोरमदेव श्री जी. तरूण प्रकाश राव 091110–01278	वातानुकूलित कक्ष	04	1500.00	2000.00	–	–	–	2300.00
11	बैगा टूरिस्ट रिसॉर्ट, सरोदादादर, कबीरधाम श्री जी. तरूण प्रकाश राव 091110–01278	वातानुकूलित कक्ष	12	2000.00	2500.00	–	–	–	2800.00
12	गौरा–गौरी लेक व्यू टूरिस्ट कॉटेज, खूंटाघाट (बिलासपुर) श्री रमेश ठाकुर, 091110–09054	वातानुकूलित कक्ष	02	700.00	800.00	–	–	–	–
			02	800.00	1200.00				1500.00
13	गोरगा टूरिस्ट रिसॉर्ट, तिरथगढ़ (बस्तर) श्री रामनारायण तिवारी, 091110–09040	मात्र भोजन सुविधा उपलब्ध ।							

नोट : कक्ष आरक्षण से संबंधित जानकारी हेतु हमारे पर्यटन सूचना केंद्र एवं कॉल सेन्टर :– गढ़हटरी, महंत गुरू घासीदास संग्रहालय परिसर, गौरव पथ, घड़ी चौक के पास, सिविल लाइंस, रायपुर 492001 (छ.ग.) दूरभाष क्रमांक : 0771–4066415, 4224999, 1–800–102–6415 (टोल फ्री) में संपर्क करें ।

कक्ष आरक्षण निरस्तीकरण एवं कक्ष निरस्तीकरण के संबंध में वापस की जाने वाली राशि :–

क्र.	निरस्तीकरण की सूचना	कक्ष आरक्षण निरस्तीकरण एवं कक्ष निरस्तीकरण के संबंध में कटौती की जाने वाली राशि प्रतिशत में	टीप
1	02 दिवस अर्थात 48 घंटे से कम।	100% राशि कटौती की जावेगी, (100% Deduction). कोई भी राशि वापस नहीं की जावेगी।	आवेदन प्राप्ति के समय से Check-In दिनांक को अपरान्ह 2:00 बजे तक समय की गणना की जावेगी।
2	02 से 03 दिवस अर्थात 48 घंटे से 72 घंटे से कम।	50% राशि कटौती की जावेगी, (50% Deduction).	
3	03 से 07 दिवस तक।	25% राशि कटौती की जावेगी, (25% Deduction).	
4	07 दिवस से अधिक।	10% राशि कटौती की जावेगी, (10% Deduction).	

पर्यटन सूचना केन्द्र

छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के बारे में देश के विभिन्न राज्यों के पर्यटकों को आसानी से जानकारी उपलब्ध कराने एवं अपने शहर से ही छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए व्यक्तिगत एवं पैकेज टूर के अन्तर्गत आरक्षण की सुविधा प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ पर्यटन मंडल ने देश के विभिन्न राज्यों में पर्यटन सूचना केन्द्र प्रारंभ किया है, जिन राज्यों में पर्यटन सूचना केन्द्र स्थापित किये गये हैं उनका विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र.	पर्यटन सूचना केन्द्रों के नाम	पता
01	पर्यटन सूचना केन्द्र, कोलकाता, प.बंगाल	230 A, ए.जी.सी बोस रोड,चित्रकुट बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, कमरा न. 25, कोलकाता – 20
02	पर्यटन सूचना केन्द्र, नागपुर, महाराष्ट्र	चेम्बर न. 3, एम.टी.डी.सी., तहसील ऑफिस (ग्रामीण) के पास , वेस्ट हाईकोर्ट रोड, सिविल लाईन, नागपुर, महाराष्ट्र 440001
03	पर्यटन सूचना केन्द्र, नई दिल्ली	चाणक्य भवन, तीसरी मंजिल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, पिन कोड – 110021
04	पर्यटन सूचना केन्द्र, भोपाल, मध्य प्रदेश	मध्यप्रदेश टूरिज्म भवन, भदभदा रोड भोपाल (म.प्र.)

इसके अलावा छत्तीसगढ़ राज्य के निम्न स्थानों पर पर्यटन सूचना केन्द्र स्थापित किये गये हैं :–

क्र.	पर्यटन सूचना केन्द्रों के नाम	पता
01	पर्यटन सूचना केन्द्र, रायपुर	स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट , माना रायपुर
02	पर्यटन सूचना केन्द्र, रेल्वे स्टेशन , रायपुर	टिकट काउंटर के पास , रेल्वे स्टेशन रायपुर
03	पर्यटन सूचना केन्द्र, गढ़हटरी, रायपुर	मंहत घासीदास संग्रहालय परिसर, गौरव पथ घडी चौक के पास , रायपुर
04	पर्यटन सूचना केन्द्र, रेल्वे स्टेशन, बिलासपुर	रेल्वे स्टेशन बिलासपुर
05	पर्यटन सूचना केन्द्र, सिरपुर	ग्राम सिरपुर , जिला – महासमुंद
06	पर्यटन सूचना केन्द्र, रेल्वे स्टेशन ड़ोगरगढ़	रेल्वे स्टेशन डोंगरगढ़ , जिला –राजनांदगांव
07	पर्यटन सूचना केन्द्र, राजनांदगांव	हॉल नं. 2 कम्पोजिट बिल्डिंग , कलेक्टोरेट के पास राजनांदगांव
08	पर्यटन सूचना केन्द्र, रेल्वे स्टेशन , दुर्ग	अनारक्षित टिकट काउंटर के सामने, रेल्वे स्टेशन दुर्ग
09	पर्यटन सूचना केन्द्र, धमतरी	धनवंतरी भवन , सिहावा रोड ,धमतरी जिला – धमतरी
10	पर्यटन सूचना केन्द्र, जगदलपुर	झंकार टॉकीज के पीछे , शहीद पार्क , चौपाटी परिसर, जगदलपुर जिला –बस्तर
11	पर्यटन सूचना केन्द्र, चंपारण्य	बस स्टेशन चंपारण्य जिला–रायपुर
12	पर्यटन सूचना केन्द्र, अंबिकापुर	सरहुल होटल चढ़ीरमा , अंबिकापुर , जिला –सरगुजा
13	पर्यटन सूचना केन्द्र, रायगढ़	कोडातराई , रायगढ़ , जिला – रायगढ़

राज्य में आने वाले देशी–विदेशी पर्यटकों की संख्या जिलेवार (जनवरी से दिसंबर 2017) :–

क्र.	जिला	देशी	विदेशी	योग
1	बिलासपुर	1099858	9	1099867
2	मुंगेली	839143	0	839143
3	कोरबा	132320	14	132334
4	रायगढ़	337469	16	337485
5	जांजगीर	2149605	1	2149606
6	रायपुर	1207096	2681	1209777
7	बलौदाबाजार	82069	0	82069
8	गरियाबंद	382708	0	382708
9	महासमुंद	106262	34	106296
10	धमतरी	404048	0	404048
11	दुर्ग	1175904	522	1176426
12	बालोद	74859	0	74859
13	बेमेतरा	30105	0	30105
14	कवर्धा	16371	161	16532
15	राजनांदगाँव	3603061	6	3603067
16	सुरजपुर	30900	0	30900
17	जशपुर	25021	0	25021
18	अंबिकापुर	48315	1	48316
19	बलरामपुर	20846	0	20846
20	कोरिया	13151	0	13151
21	कांकेर	931	199	1130
22	बस्तर	125461	253	125714
23	दंतेवाड़ा	300605	12	300617
24	नारायणपुर	0	0	0
25	बीजापुर	0	0	0
26	कोंडागांव	0	0	0
27	सुकमा	712	0	712
	कुल	**12206820**	**3909**	**12210729**

तुर्की के पर्यटन विभाग से आये प्रतिनिधि मंडल का पुरखौती मुक्तांगन भ्रमण

रमन जन पर्यटन योजना

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के शताब्दी वर्ष पर पर्यटन को आम जनता से जोड़ने वाले देश की पहली अनूठी पर्यटन योजना **'रमन–जन पर्यटन योजना'** का शुभारंभ दिनांक 15/10/2016 को प्रातः 10:30 बजे माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी के द्वारा मुख्यमंत्री निवास से **'हमर राजधानी दर्शन'** के तहत् यात्री बस को हरी झंडी दिखाकर किया गया, इसके अंतर्गत निम्नानुसार भ्रमण कराये जा रहे हैं :–

1. छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा ''रायपुर दर्शन'' के अंतर्गत राजधानी के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण ।
2. दो दिवसीय ''बस्तर दर्शन'' की योजना भी इसके अंतर्गत रियायती दरो पर रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव एवं दुर्ग एवं धमतरी से प्रारंभ किया गया ।
3. सिरपुर–गिरौदपुरी–बारनवापारा को 2 दिवस एवं 1 रात्रि का भ्रमण ।
4. रायपुर–ताला–मल्हार–शिवरीनारायण का एक दिवसीय भ्रमण ।
5. रायपुर–गंगरेल का एक दिवसीय भ्रमण ।

रमन जन पर्यटन योजना की जानकारी :–

क.	भ्रमण हेतु पर्यटन स्थल	पर्यटको की संख्या	आय
01	सिरपुर–गिरौधपुरी– बारनवापारा (02 दिवसीय 01 रात्रि भ्रमण)	350	2,29,600.00
02	रायपुर– जगदलपुर– चित्रकोट– तीरथगढ़ (02 रात्रि 02 दिवसीय भ्रमण)	1,577	17,90,300.00
03	रायपुर – ताला– मल्हार– शिवरीनारायण–रायपुर (01 दिवसीय भ्रमण)	305	1,52,500.00
04	रायपुर दर्शन (01 दिवसीय भ्रमण)	1750	3,50,000.00
05	रायपुर– गंगरेल (01 दिवसीय भ्रमण)	35	17,500.00
05	**कुल**	**4017**	**25,39,900.00**

वर्ष 2017–18 का बजट

मांग संख्या – 37

एक– राजस्व अनुभाग

(राशि रू. लाख)

मद	आयोजना राशि
3452 – पर्यटन–80–सामान्य–001–निदेशन और प्रशासन–0101–राज्य आयोजना (सामान्य)	
3239 – छत्तीसगढ राज्य पर्यटन विकास मंडल को अनुदान	
09 – विज्ञापन एवं प्रचार	1700.00
14 – सहायक अनुदान	
001 स्थापना अनुदान	850.00
003 अनुरक्षण अनुदान	500.00
74 – मेला, उत्सव, प्रदर्शनी	100.00
योग योजना (3239)	3150.00
7323 – भारतीय होटल प्रबंधन संस्थान	
14 – सहायक अनुदान	
001 स्थापना अनुदान	122.00
योग योजना (7323)	122.00
योग एक राजस्व अनुभाग	3272.00

दो – पूंजी अनुभाग

5452 – पर्यटन पर पूंजी परिव्यय–102–पर्यटन आवास – 0101 – राज्य आयोजना (सामान्य)	
7771 – पर्यटन क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्य हेतु अनुदान	
#45 –पूंजीगत परिसंपत्तियों का निर्माण–	
001–पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण हेतु अनुदान	2850.00
योग योजना (7771)	2850.00
योग दो पूंजी अनुभाग	2850.00
कुल योग	6122.00

विभागीय संरचना

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की वर्तमान विभागीय पद संरचना निम्नानुसार है:–

क्रमांक	पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	रिक्त पद के विरूध्द कार्यरत सर्विस प्रोवाईडर के कर्मी
1	2	03	04	05	06
मुख्यालय					
1.	प्रबंध संचालक	01	01	–	–
2.	महाप्रबंधक	02	02	–	–
3.	उपमहाप्रबंधक	02	02	–	–
4.	कार्यपालन अभियंता	01	01	–	–
5.	लेखा अधिकारी	01	–	01	–
6.	वरिष्ठ पर्यटन अधिकारी	01	01	–	–
7.	सहायक यंत्री	01	01	–	–
8.	प्रबंधक (योजना/मार्केटिंग)	02	–	02	02
9.	प्रशासकीय अधिकारी	01	01	–	–
10.	निज सचिव, प्रबंध संचालक	01	–	01	01
11.	सहायक अधीक्षक	01	–	01	–
12.	निज सहायक, स्टेनोग्राफर (हिन्दी)	02	–	02	02
13.	कनिष्ठ लेखाधिकारी	01	–	01	01
14.	सहायक प्रोग्रामर	01	–	01	01
15.	वरिष्ठ लेखापाल	01	–	01	–
16.	योजना सहायक	01	01	–	–
17.	वरिष्ठ स्टेनोग्राफर	01	01	–	–
18.	उपयंत्री	03	01	02	02
19.	सहायक ग्रेड –1	02	01	01	01
20.	सहायक ग्रेड –2	02	02	–	–
21.	लेखापाल	01	–	01	01
22.	स्टोर कीपर	01	–	01	01
23.	डाटा एण्ट्री आपरेटर	02	–	02	02
24.	सहायक ग्रेड –3	06	05	01	01
25.	वाहन चालक	06	04	02	02
26.	वरिष्ठ भृत्य	01	01	–	–
27.	भृत्य	06	01	05	05
28.	स्वीपर	01	01	–	–
29.	चौकीदार	01	01	–	–
30.	स्वीपर (अंश कालीन)	01	–	01	01
	कुल	54	28	26	23

कमांक	पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	रिक्त पद के विरूध्द कार्यरत सर्विस प्रोवाईडर के कर्मी
1	2	03	04	05	06
अध्यक्ष महोदय कार्यालय					
01	निज सहायक / स्टेनोग्राफर	01	01	—	—
02	कम्प्यूटर ऑपरेटर	01	01	—	—
03	वाहन चालक	01	—	01	01
04	भृत्य	01	01	—	—
कुल		**04**	**03**	**01**	**01**
होटल / मोटल					
01	वरिष्ठ प्रबंधक	01	01	—	—
02	प्रबंधक	03	03	—	—
03	स्वागतकर्ता	02	02	—	—
04	फ्रंट ऑफिस असिस्टेंट	02	—	02	02
05	स्टूवर्ड	01	01	—	—
06	कुक ग्रेड–1	01	01	—	—
07	कुक ग्रेड–2	01	01	—	—
08	कुक ग्रेड–3	01	01	—	—
09	कुक ग्रेड–4	02	02	—	—
10	हेड वेटर	07	03	04	04 (सांख्येत्तर)
11	इलेक्ट्रीशियन	02	02	—'	—'
12	वेटर / रूमबाय	04	03	01	01
13	हेल्पर	04	02	02	02
14	चौकीदार	03	03	—'	—'
15	स्वीपर	04	04	—'	—'
16	माली	02	02	—'	—'
कुल		**40**	**31**	**09**	**09**
जिला पर्यटन सूचना केन्द्र कार्यालय					
01	पर्यटन अधिकारी	15	13	02	02
02	सूचना सहायक	15	08	07	07
03	भृत्य	15	11	04	04
कुल		**45**	**32**	**13**	**13**
पर्यटन सूचना केन्द्र राज्य के बाहर — दिल्ली / अहमदाबाद / हैदराबाद / भोपाल / नागपुर / कोलकाता / विशाखापट्टनम / चेन्नई (वर्तमान में संचालित)					
01	पर्यटन अधिकारी	08	01 संविदा द्वारा	07	07
02	सूचना सहायक	08	—	08	08
03	भृत्य	08	—	08	08
कुल		**24**	**—**	**23**	**23**
कुल योग		**167**	**98**	**69**	**67**

नोट : उपरोक्त पद संरचना में 69 रिक्त पदों के विरूध्द 67 कर्मचारी एवं संचालक मंडल के अनुमोदन से मंडल द्वारा संचालित होटल / मोटल / रिसोर्ट में कार्य हेतु सर्विस प्रोवाईडर एजेंसी के माध्यम से 95 कर्मचारी कार्यरत है।

दंडामी लक्जरी रिसोर्ट, चित्रकोट में आयोजित छत्तीसगढ़ आर्थोपेडिक एसोसिएशन के वार्षिक कांफ्रेंस में संबोधित करते हुए मान. अध्यक्ष

IHM भवन में ''हमर छत्तीसगढ़'' योजना में मान. अध्यक्ष का संबोधन एवं प्रदर्शनी का अवलोकन

राज्य होटल प्रबंधन खानपान तकनीकी एवं अनुप्रयुक्त पोषाहार संस्थान
कार्यों एवं उपलब्धियों का विवरण

प्रभारी प्राचार्य – **श्री एम. टी. नंदी,** भा.व.से.
राज्य होटल प्रबंधन संस्थान

संक्षिप्त परिचय :–

- वर्ष 2006 को माननीय केन्द्रीय मंत्रीजी भारत सरकार के बजट भाषण में छत्तीसगढ़ रायपुर के लिए होटल प्रबंध संस्थान की घोषणा की गई ।
- भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय के पत्र क्रमांक 62(1)/2003/एचआरडी दिनांक 29.12.2006 के द्वारा होटल प्रबंध संस्थान, रायपुर की स्थापना किए जाने हेतु राशि रू. 13.09 लाख के भवन निर्माण हेतु अनुदान की स्वीकृति प्रदान की जिसमें से 1000 लाख भारत सरकार एवं 309 लाख राज्य सरकार की ओर से अंशदान है। परियोजना पर भारत सरकार के समानुपात में धनराशि राज्य द्वारा उपलब्ध करायी गयी।
- होटल प्रबंध संस्थान, रायपुर का पंजीयन छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 के अधीन दिनांक 06.06.2006 को हुआ । छत्तीसगढ़ शासन फर्म्स एवं संस्थान छत्तीसगढ़ के पंजीकरण क्रमांक छ.ग. राज्य 1418 है।
- संस्थान का भवन निर्माण करने हेतु नया रायपुर डेव्हलपमेंट अथॉरिटी के द्वारा दिनांक 03.07.2009 को उपरवारा में 4.23 हेक्टेयर भूमि प्रदान की गई।

उद्देश्य :–

- राज्य होटल प्रबंध संस्थान, नया रायपुर का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ राज्य के एवं अन्य राज्यों के शिक्षित युवाओं को हॉस्पिटालिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान कर प्रदेश में स्थित विभिन्न होटल व्यवसाय को मानव संसाधन (Manpower) उपलब्ध कराना है।

परियोजना का विवरण :–

- वर्ष 2006–07 में भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय से राज्य होटल प्रबंध संस्थान की स्थापना हेतु राशि रू. 1309 लाख (1000 लाख केन्द्रीय अंशदान एवं 309 लाख राज्य अंशदान) की स्वीकृति प्रदान की गई थी।
- छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग द्वारा दिनांक 21.07.2008 को राज्य होटल प्रबंध संस्थान के निर्माण कार्य हेतु निम्नानुसार तकनीकी अनुमोदन प्रदान किया गया है :–

मुख्य भवन	रू. 1383.14 लाख
छात्रावास	रू. 303.48 लाख
ट्रान्जिट हॉस्टल	रू. 226.40 लाख
कुल	**रू. 1913.02 लाख**

- संस्थान के भवन निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति लगभग 80% सिविल एवं इलेक्ट्रिकल कार्य पूर्ण हो चुका है।

राज्य होटल प्रबंध संस्थान, उपरवारा, नया रायपुर

होटल प्रबंध संस्थान के लिए प्रस्तावित कार्य

- संस्थान के आवश्यकतानुसार भवन निर्माण कार्य, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रायपुर द्वारा प्रदत्त प्राक्कलन अनुसार कराया जाना है।
- संस्थान हेतु राष्ट्रीय होटल प्रबंधन खानपान तकनीकी एवं अनुप्रयुक्त पोषाहार परिषद, नोयडा के मार्गदर्शिका अनुसार फर्नीचर/फिक्चर्स की पूर्ति तथा प्रयोगशालाओं/लैब की स्थापना की जानी है।
- संस्थान द्वारा उपरोक्तानुसार कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कर, राष्ट्रीय होटल प्रबंधन खानपान तकनीकी एवं अनुप्रयुक्त पोषाहार परिषद, नोयडा से शीघ्र संबद्धता प्राप्त किया जाकर शैक्षणिक सत्र प्रारंभ किया जाना है।
- संस्थान के मुख्य भवन परिसर में प्रकाशीकरण कार्य अंतर्गत सौर ऊर्जा संयत्र स्थापित किया जाना है।
- संस्थान में बालक/बालिका छात्रावास का निर्माण किया जाना है।

केन्द्र एवं राज्य शासन से प्राप्त अनुदान

होटल प्रबंधन संस्थान, रायपुर के भवन निर्माण के लिए निम्नानुसार राशि केन्द्र शासन एवं राज्य शासन से समय–समय पर प्राप्त की गयी है –

विवरण	वित्तीय वर्ष	प्राप्त अनुदान (लाखों में)	
केन्द्र शासन	2006–07	300	986.00
	2009–10	300	
	2012–13	200	
	2014–15 **(लैब उपकरण क्रय करने)**	186	
राज्य शासन	2007–08	230	1612.19
	2008–09	92.70	
	2012–13	500	
	2013–14	50	
	2016 – 17	587.92	
	2017 – 18	151.57	
कुल राशि			**2598.19**

होटल प्रबंध संस्थान नया रायपुर के शेष कार्य को पूर्ण करने हेतु राज्य शासन से वित्तीय वर्ष 2018–19 अधोसंरचना मद में निम्नानुसार बजट राशि मांग की गई है :–

अनुमानित आवश्यक/मांग की गयी राशि का विवरण –

कं.	कार्य का प्रकार	अनुमानित लागत राशि (लाख में)
1	लैब उपकरण एवं फर्नीचर/फिक्चर्स क्रय करने हेतु केन्द्रांश के समान अनुपात में राज्य शासन सें अनुदान	200.00
4	बालक बालिका छात्रावास निर्माण हेतु	300.00
5	स्टॉफ क्वार्टर निर्माण कार्य	500.00
कुल अनुमानित लागत		**1000.00**

राज्य होटल प्रबंध संस्थान में स्वीकृत, रिक्त एवं भरे पदों की जानकारी

पर्यटन विभाग के पत्र क्रमांक 675/अति.स./33/प.वि./2008 दिनांक 15.09.2008 द्वारा कुल 18 पद तथा विभाग का संख्यात्मक पत्र क्रमांक आर 1299/360/33/पर्य./2013 दिनांक 28.09.2013 में 13 इस प्रकार कुल 31 पद स्वीकृत किये गये है जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्रं.	पद का नाम	पदों की संख्या	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	प्राचार्य	01	-	01 #
2	विभागाध्यक्ष	01	-	01
3	व्याख्याता/रीडर	02	01	01
4	सहायक व्याख्याता	04	01	03
5	अधीक्षक	01	01	-
6	स्टेनोग्राफर *	01	01	-
7	सहायक ग्रंथपाल	02	01	01
8	लेखापाल	01	01	-
9	सहायक ग्रेड–3/कम्प्यूटर आपरेटर	03	02	01
10	लैबअटेंडेंट	05	04	01@
11	वाहन चालक	01	01	-
12	भृत्य	02	01	01@
13	सुरक्षा कर्मी	03	01	02 @
14	माली	02	-	02@
15	केयर टेकर	01	-	01 @
16	सफाई कर्मी	01	01	-
कुल		**31**	**16**	**15**

1. # वर्तमान में संस्थान के प्राचार्य पद पर प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल, रायपुर को प्रभारी प्राचार्य के रूप में पदस्थ किया गया है।
2. * स्टेनोग्राफर पद के विरूद्ध स्टेनो टायपिस्ट की नियुक्ति की गई है ।
3. @ वित्त विभाग द्वारा बाह्य स्त्रोत के माध्यम से पदों को भरे जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।
4. छत्तीसगढ़ शासन, पर्यटन विभाग, महानदी भवन, नया रायपुर के आदेश क्रमांक आर 1299/360/33/पर्य./2013 दिनांक 28.09.2013 में 13 स्वीकृत पदों में से व्याख्याता/रीडर के 01 पद, सहायक व्याख्याता के 02 पद, सहायक ग्रेड–03/कम्प्यूटर आपरेटर के 02 पद एवं सहायक ग्रन्थपाल के 01 पद तथा शेष 06 (@) पद पर सृजन होने वाले व्ययभार संस्थान द्वारा वहन किये जाने की शर्ते पर उक्त पद को स्वीकृत की गयी है तथा शेष (@) पद को बाह्य स्त्रोत के माध्यम से भरे जाने की स्वीकृति प्रदाय की गयी है।

होटल प्रबंध संस्थान के पाठ्यक्रम का विवरण :–

होटल प्रबंध सस्थान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को होटल प्रबंधन एवं खानपान तकनीकी में शिक्षित करना है। संस्थान के द्वारा अल्प अवधि पाठ्यक्रम के साथ–साथ डिप्लोमा एवं डिग्री प्रदान किये जाने की कार्ययोजना है। दिनांक 7.01.2015 को आयोजित संचालक मंडल की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार निम्नानुसार पाठ्यक्रम / डिग्री / डिप्लोमा के संचालन का निर्णय लिया गया : –

क्र.	पाठ्यक्रम / डिग्री / डिप्लोमा का नाम	अवधि	संभावित छात्रों की संख्या
1	होटल मेनेजमेंट डिग्री प्रोग्राम B.Sc. In Hospitality and Hotel Administration	3 वर्ष	60
2	डिप्लोमा इन फूड प्रोडक्शन (सर्टिफिकेट कोर्स)	1 वर्ष	20
3	डिप्लोमा इन हाऊसकीपिंग (सर्टिफिकेट कोर्स)	1 वर्ष	20

वर्तमान में होटल प्रबंध संस्थान भवन का उपयोग :–

01 जुलाई 2016 से होटल प्रबंधन संस्थान के भवन का उपयोग पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजना ''हमर छत्तीसगढ़'' हेतु आवासीय परिसर के रूप में किया जा रहा है। साथ ही संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों को ''हमर छत्तीसगढ़'' योजना के कार्यो के संपादन हेतु संबद्ध किया गया है।

हमर छत्तीसगढ़ योजना में मान. मुख्यमंत्री एवं मान. पर्यटन मंत्री

छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थल (जिलेवार)

1.जिला – रायपुर

1.	रायपुर	ऐतिहासिक धार्मिक	दूधाधारी मठ, विवेकानंद सरोवर, बोट क्लब, संग्रहालय, शदाणी दरबार
2.	चम्पारण	धार्मिक ऐतिहासिक	महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्म स्थली, चम्पाकेश्वर महादेव मंदिर
3.	आरंग	धार्मिक, ऐतिहासिक	भाण्डलदेव जैन मंदिर, बाद्य देवल
4.	चन्द्रखुरी	पुरातात्विक	प्राचीन शिव मंदिर
5.	नाहनाचण्डी, अभनपुर	धार्मिक	मां चण्डी मंदिर

महाप्रभु वल्लभाचार्य जन्मस्थली, चम्पारण्य

2. जिला – बलौदाबाजार

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	पलारी	धार्मिक	सिद्धेश्वर शिव मंदिर
2.	गिरौधपुरी	धार्मिक, ऐतिहासिक	गुरू घासीदास निवास, छाता पहाड़, सुफरा मठ
3.	बारनवापारा	अभ्यारण्य	वन्य प्राणी
4.	दामाखेड़ा	धार्मिक	कबीर चबूतरा
5.	तुरतुरिया	धार्मिक, प्राकृतिक, पुरातात्विक	लवकुश की जन्म स्थली, बौद्ध विहार
6.	चंगोरपुरीधाम	धार्मिक, प्राकृतिक, पुरातात्विक	त्रिवेणी संगम
7.	सिंगारपुर	धार्मिक एवं ऐतिहासिक	मावलीमाता मंदिर, राधाकृष्ण मंदिर, दुर्गा मंदिर, रामसीता मंदिर, शंकर मंदिर विश्वकर्मा मंदिर एवं परमेश्वरी देवी मंदिर आदि।

3. जिला – गरियाबंद

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	राजिम	धार्मिक, ऐतिहासिक	राजीव लोचन मंदिर, सोमेश्वर महादेव मंदिर
2.	फिंगेश्वरगढ़	ऐतिहासिक	फणिकेश्वरनाथ, महोदव, मवाली माता, किला
3.	उदन्ती	अभ्यारण्य	वन्य प्राणी
4.	मैनपुर	धार्मिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक	पैरी नदी उद्‌गम स्थल
5.	ऋषिझरन	धार्मिक एवं प्राकृतिक	झरना, प्राकृतिक स्थल एवं वनाच्छादित क्षेत्र

राजिम महाकुंभ मेला क्षेत्र, राजिम

4. जिला – महासमुंद

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	सिरपुर	ऐतिहासिक धार्मिक, पुरातात्विक	लक्ष्मण मंदिर, बौद्ध एवं स्वास्तिक विहार
2.	खल्लारी	धार्मिक ऐतिहासिक	प्राचीन देवालय, खल्लारी माता मंदिर, भीमपांव
3.	कनेकेरा	धार्मिक, प्राकृतिक, पुरातात्विक	प्राचीन देवालय,
4.	सुअरमारगढ़	ऐतिहासिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक	प्राचीन गढ (किला), जलाशय, पहाड़ी, गुफा, वन क्षेत्र।
3.	बावनकेरा	धार्मिक	हजरत जाकिरशाह कादरी रहमतुल्लाह अलैह दरगाह

5.जिला – धमतरी

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	धमतरी	ऐतिहासिक, धार्मिक	प्राचीन किला, बिलाई माता मंदिर, रामचंद्र का मंदिर
2.	सिहावा	ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक	कर्णेश्वर मंदिर, पवित्र जल कुण्ड, सरोवर गुफा
3.	सीतानदी	अभ्यारण्य	वन्य प्राणी
4.	गंगरेल / मॉडमसिल्ली	जलाशय	जलक्रीड़ा
5.	देवपुर (कण्डेल)	धार्मिक, पुरातात्विक, प्राकृतिक	पातालेश्वर महादेव डोंगेश्वरघाट(धाम), एनीकट महानदी

प्राचीन शिव मंदिर, देव बलौदा, जिला दुर्ग

6. जिला – दुर्ग

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	दुर्ग	ऐतिहासिक, पुरातात्विक	बौद्धकालीन भग्न मूर्तियां तथा शिलाखंड
2.	भिलाई	औद्योगिक	इस्पात कारखाना, मैत्रीबाग
3.	पाटन	प्राकृतिक	आग तालाब (तालाबों की नगरी)
4.	देव बलौदा	पुरातात्विक	प्राचीन शिव मंदिर
5.	धमधा	ऐतिहासिक, पुरातात्विक	प्राचीन किला एवं मंदिर, बूढ़ा तालाब
6.	नगपुरा	धार्मिक	जैनों का तीर्थ स्थल

7. जिला – बालोद

1.	बालोद	पुरातात्विक, धार्मिक	कपिलेश्वर तालाब, प्राचीन मंदिर, सियादेही
2.	तांदुला	जलाशय	बांध दृश्य
3.	चौरेल	धार्मिक, पुरातात्विक सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक	श्री गौरैया सिद्ध शक्तिपीठ 9वी से 11वी सदी के मध्य हथवंशी राजवंश कल्चूरी कालीन प्राचीन मूर्तियां, कुण्ड (बाउली), श्री विमल वैदिक सेवा आश्रम, एवं श्री सदगुरू कबीर घाट
4.	नर्मदाधाम, ग्राम सुरसुली	धार्मिक	जल कुण्ड, कर्मा मंदिर, दुर्गा मंदिर, गणेश मंदिर राम दरबार मंदिर एवं हनुमान मंदिर

8. जिला– बेमेतरा

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	नवागढ़	ऐतिहासिक, पुरातात्विक	प्राचीन खेड़ापती मंदिर,
2.	महामाया मंदिर	धार्मिक	महामाया मंदिर, प्राचीन बावली, शारदा मंदिर
3.	जूनी सरोवर	धार्मिक, प्राकृतिक	जुनी सरोवर, शिव मंदिर, दुर्गा मंदिर, कृष्ण मंदिर

9. जिला – राजनांदगांव

1.	डोंगरगढ़	धार्मिक, ऐतिहासिक	बम्लेश्वरी देवी, बुद्ध प्रतिमा
2.	खैरागढ़	ऐतिहासिक,शैक्षणिक, पुरातात्विक	इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय
3.	गंडई	धार्मिक, ऐतिहासिक	प्राचीन शिव मंदिर
4.	अम्बागढ़	धार्मिक, प्राकृतिक	अम्बादेवी मंदिर (16 कि.मी. पर)
5.	मां भवानी मंदिर, करेला,	धार्मिक, प्राकृतिक	पहाड़ी पर स्थित मां भवानी का मंदिर, एवं प्राकृतिक सौदर्य।
6.	साकरदाहरा	धार्मिक, प्राकृतिक	टापु पर स्थित सतबहनियॉ मंदिर, विभिन्न मंदिर, एनीकट, मोगरा बारांज, जलदहरा, खुखा बाराज, मोछधाम,
7.	जय डोंगेश्वर महादेव, चोड़राधाम	धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्व	मंडीप खोल, पैलीमेटा बांध(सुरही जलाशय), मोटियारी घाट, नर्मदा कुण्ड, शिव एवं गंगई मंदिर गण्डई तथा घटीयारी का प्राचीन पुरातात्विक शिव मंदिर

10.जिला – कबीरधाम

1.	भोरमदेव	धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक	भोरमदेव मंदिर, मंड़वा महल, छेरकी महल
2.	कबीरधाम	प्राकृतिक	झिरना नर्मदा कुण्ड
3.	ग्राम आंछी बानो	धार्मिक	पातालेश्वर महादेव
4.	पचराही	धार्मिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक	प्राचीन कंकालीन मंदिर, प्राचीनकालीन मुर्तियां, एवं खुदाई से प्राप्त अन्य कई स्मारक
5.	माँ नर्मदा कुण्ड, नरोधी	धार्मिक एवं प्राकृतिक	नर्मदाधाम, कुण्ड एवं आस–पास स्थित मंदिर
6.	पारस नगर बकेला	धार्मिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक	जैन पार्श्वनाथ मंदिर, हाफनदी, पचराही स्थित पुरातात्विक स्थल एवं ग्राम देवसरा स्थित पर्वत से प्राप्त प्राचीनकालीन मुर्तियां तथा प्राचीन गुफा

विष्णु मंदिर नारायणपाल, जिला बस्तर

11.जिला – बस्तर

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	जगदलपुर	ऐतिहासिक, धार्मिक	दंतेश्वरी मंदिर, राजमहल, दलपत सागर, संग्रहालय
2.	बस्तर	पुरातात्विक	शिल्पग्राम, संग्रहालय
3.	नारायण पाल	पुरातात्विक	विष्णु मंदिर एवं भद्रकाली मंदिर
4.	चित्रकोट	प्राकृतिक	जल प्रपात
5.	कांगेरघाटी	राष्ट्रीय उद्यान	जल प्रपात, गुफाएं
6.	माचकोट	प्राकृतिक	आरक्षित वन

12. जिला – कोण्डागांव

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	कोण्डागांव	सांस्कृतिक	शिल्पग्राम
2.	केशकाल	प्राकृतिक	घाटी, तेलिनमाता का मंदिर
3.	भोंगापाल	पुरातात्विक	बौद्ध विहार
4.	गढ़घनोरा	पुरातात्विक	प्राचीन शिव, विष्णु, नरसिंह मंदिरों का समूह

बेल मेटल हस्तशिल्प तैयार करती कारीगर, जिला कोण्डागांव

13. जिला – नारायणपुर

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	अबूझमाढ़	प्राकृतिक	पाषाण युगीन अवशेष
2.	छोटें डोंगर	पुरातात्विक	प्राचीन मंदिर के भग्नावशेष

14.जिला – कांकेर

1.	कांकेर	धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक	सिंहवासिनी मंदिर, गढ़िया पहाड़ राजमहल
2.	दुधावा	जलाशय	जलाशय
3.	भानुप्रतापपुर (गढबांसला)	धार्मिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक	प्राचीन किलागढ देवी मंदिर, शिवमंदिर, किला पहाड, जलाशय, गुफा,
4	खंडी घाट	धार्मिक, पुरातात्विक सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक	सिद्धेश्वर महादेव, माया मोहनी, योगी गुफा, अष्ट भुजी भवानी मंदिर एवं हर हर खंण्डश्वेर महादेव मंदिर ।
5	गाड़ागौरी गढ़शीतला, योनिशक्तिपीठ	धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक	जोगीगुफा, गढ़माडिया देव, गढ़हिंगलाज एवं पांचफुलवृक्ष

15.जिला – दंतेवाड़ा

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	दंतेवाड़ा	धार्मिक, ऐतिहासिक	दंतेश्वरी देवी
2.	बैलाडीला	औद्योगिक, प्राकृतिक	लौह अयस्क की खानें
3.	बारसूर	ऐतिहासिक, पुरातात्विक	मामा–भांजा मंदिर, बत्तीस मंदिर, संग्रहालय

बत्तीसा मंदिर, बारसूर, जिला दंतेवाड़ा

16. जिला – सुकमा

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	–	–	–

17. जिला– बीजापुर

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	भैरमगढ़	पुरातात्विक, अभ्यारण्य	प्राचीन मंदिरों के खंडहर, किले एवं तालाब
2.	इन्द्रावती	राष्ट्रीय उद्यान	वन्य प्राणी
3.	पामेड	अभ्यारण्य	वन्य प्राणी

18.जिला – बिलासपुर

1.	बिलासपुर	धार्मिक, प्राकृतिक	कानन पेंडारी, काली मंदिर
2	रतनपुर	ऐतिहासिक, धार्मिक	महामाया मंदिर, भैरव मंदिर, किला
3.	बेलगहना	धार्मिक, प्राकृतिक	सिद्धबाबा मंदिर/आश्रम, महाकालेश्वर मंदिर, कारीआम
4.	बेलपान	ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक	शिवमंदिर, विशालकुंड (नर्मदा उद्गम), सीताकुंड
5.	मल्हार	ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक	पातालेश्वर, डिड्नेश्वरी मंदिर
6.	तालागांव	पुरातात्विक, प्राकृतिक	देवरानी जेठानी मंदिर, रूद्र शिव प्रतिमा
7.	लुतरा शरीफ	धार्मिक	हजरत बाबा सैयद इंसान अली की दरगाह
8.	दल्हाबाबा,पहाड (कोटा)	धार्मिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक	श्री सिद्ध बाबा मंदिर, कोटेश्वर मंदिर, कोटसागर एवं घोंघा जलाशय, प्रवासी पक्षी विचरण केन्द्र
9.	खोन्धरा (गर्गज पर्वत), सीपत	प्राकृतिक	गर्गज पर्वत एवं आसपास के रमणीय स्थल, स्टाप डेम, जलस्त्रोत।
10.	कुरदर	प्राकृतिक	अचानकमार अभ्यारण्य, ग्राम सरगोड़ स्थित चाँदनी जलप्रपात बारीडीह स्थित वाचटावर एवं घोंघा जलाशय

लुतरा शरीफ, जिला–बिलासपुर

19.जिला– मुंगेली

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	सोनमुड़ा	धार्मिक, प्राकृतिक	नर्मदा उद्गम
2.	अचानकमार	अभ्यारण्य, प्राकृतिक	वन्य प्राणी
3.	लोरमी	धार्मिक	महामाया मंदिर
4.	सेतगंगा (मुंगेली)	ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक,	सेतगंगा कुण्ड, श्री रामजानकी मंदिर, पुरातात्विक मूर्तियॉ

20. जिला – जांजगीर चाम्पा

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	जांजगीर	ऐतिहासिक, पुरातात्विक	विष्णु मंदिर, शिव मंदिर, बरम बाबा चौरा
2.	खरौद	ऐतिहासिक,धार्मिक, पुरातात्विक	लक्ष्मणेश्वर मंदिर, शबरी मंदिर,
3.	शिवरीनारायण	ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक	शिवरीनारायण मंदिर, दूधाधारी मठ,
4.	पीथमपुर	धार्मिक, सांस्कृतिक	कलेश्वर महादेव मंदिर
5.	चाम्पा	ऐतिहासिक, धार्मिक	समलेश्वरी मंदिर,जगन्नाथ मंदिर, राजमहल, हनुमानधारा एवं ताप्सीधाम
6.	सक्ती	ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक	दमाऊ दहरा, पंचवटी, रावणखोल
7.	चन्द्रपुर	ऐतिहासिक, धार्मिक	चन्द्रहासनी देवी मंदिर
8.	दलहा पहाड़	धार्मिक, प्राकृतिक	सिद्धमुनी आश्रम, विशेश्वरी देव मंदिर, चतुर्भुजी देवी, नागेश्वरधाम, अर्द्धनारीश्वर धाम, सिद्धबाबा आश्रम, गुफा।
9.	ऋषभ तीर्थ (दमउ धारा)	प्राकृतिक, धार्मिक	राम जानकी मंदिर, यज्ञ स्थल, जोबा पहाड़ आश्रम, छछान पानी, रैनखोल एवं अन्य प्राकृतिक रमणीय स्थल।
10.	तुर्रीधाम	प्राकृतिक, धार्मिक	शिव मंदिर, हनुमान मंदिर, राधाकृष्ण मंदिर
11.	कोटमीसोनार	प्राकृतिक, वन्य जीव	मगरमच्छ संरक्षण पार्क, मड फोर्ट कोटमी

प्राचीन शिव मंदिर, पाली, जिला कोरबा

21. जिला – कोरबा

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	कोरबा	औद्योगिक	सुपर थर्मल पॉवर, बाल्को
2.	पाली	ऐतिहासिक, धार्मिक	प्राचीन शिव मंदिर
3.	लाफागढ़	ऐतिहासिक, धार्मिक	प्राचीन किला, गुफा, महामाया मंदिर
4.	चैतुरगढ	ऐतिहासिक, धार्मिक	प्राचीन किला, गुफा, प्राकृतिक
5.	केन्दई	जलप्रपात, प्राकृतिक	जलप्रपात
6.	तुम्हान	पुरातात्विक	प्राचीन शिव मंदिर
7	हसदेव बांगो	जलाशय, प्राकृतिक	बांध दृश्य

22. जिला – सरगुजा

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	अम्बिकापुर	धार्मिक	महामाया मंदिर, तकिया
2.	रामगढ़	ऐतिहासिक,पुरातात्विक, प्राकृतिक	सीताबेंगा (नाट्यशाला), जोगी गुफा, हाथीपोल, सीता कुंड
3.	मैनपाट	धार्मिक, प्राकृतिक	हिल स्टेशन, बौद्ध मंदिर
4.	देवगढ़	धार्मिक	अर्धनारीश्वर शिव मंदिर

मैनपाट, जिला सरगुजा

23. जिला–बलरामपुर

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	डीपाडीह	पुरातात्विक, धार्मिक	प्राचीन मंदिरों का समूह
2	तातापानी	प्राकृतिक	गरम पानी का स्त्रोत एवं प्रपात
3.	रकसगंडा	प्राकृतिक	प्रपात
4.	सेमरसोत	अभ्यारण्य	वन्य प्राणी

24. जिला – सुरजपुर

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	कुदरगढ़	धार्मिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक	कुदरगढ़ देवी, किला, कपिल धारा
2.	सारासोर	धार्मिक, प्राकृतिक	गंगाधार मंदिर, जलधारा
3.	तमोर पिंगला	अभ्यारण्य	वन्य प्राणी

अमृतधारा जलप्रपात, जिला–कोरिया

25. जिला – कोरिया

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	कोटाडोर	पुरातात्विक	अशोक कालीन मूर्तियां
2.	घाघरा	ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक	प्रस्तरों का मंदिर, सीतामढ़ी
3.	हरचोका	प्राकृतिक, धार्मिक, पुरातात्विक	देवी देवताओं का प्राचीन मंदिर, गुफाएं
4.	मुरेरगढ़, ग्राम उमरवाह	पुरातात्विक, ऐतिहासिक	प्राचीन किला एवं मंदिर, हिल स्टेशन
5.	चिरमिरी	औद्योगिक	कोयले की खानें (पोंडरी हिल कालरी)
6.	अमृतधारा, ग्राम लाई	प्राकृतिक	जलप्रपात

26. जिला – रायगढ़

क.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	रायगढ़	ऐतिहासिक, पुरातात्विक	कबरा पहाड़, बादली गुफा, तीपा खोल, पहाड़ मंदिर
2.	खरसिया	सांस्कृतिक, औद्योगिक	रामझरना, मछलीघर
3.	सारंगढ़	ऐतिहासिक, धार्मिक, प्राकृतिक	गिरीविलास, महल, तालाब
4.	धरमजयगढ़	प्राकृतिक, धार्मिक	शिशरिंगा घाट, ओगना, रेशम धागा केंद्र
5.	सिंघनपुर	पुरातात्विक	शैल चित्र एवं गुफाएं
6.	पुजारीपाली	पुरातात्विक	बौद्ध कालीन विष्णु मंदिर, महाप्रभु, केवटिन एवं रानीझूला के मंदिर
7.	गोमरड़ा	अभ्यारण्य	वन्य प्राणी

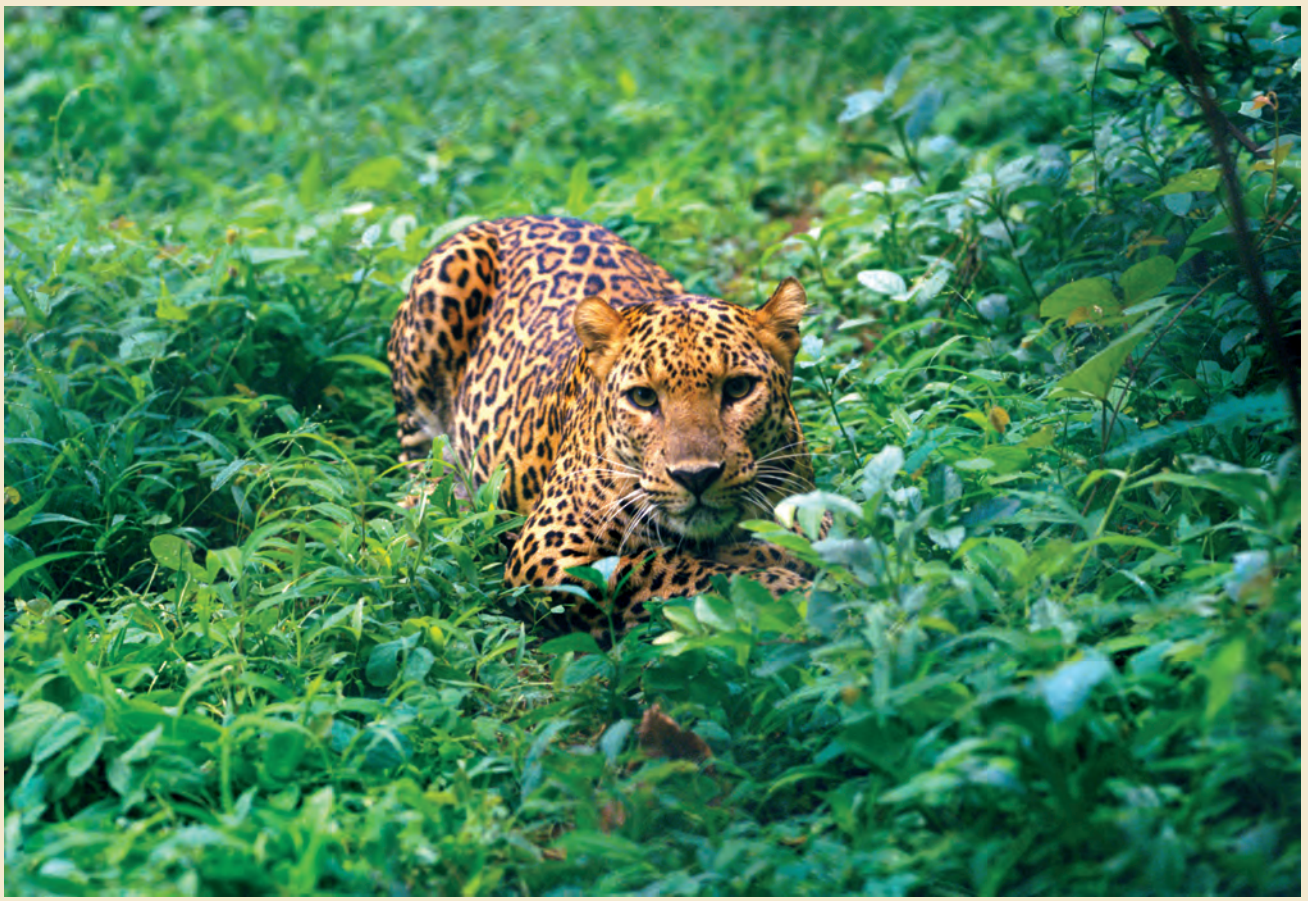

छत्तीसगढ़ के संरक्षित वन अभ्यारण्य में तेन्दुआ

27. जिला – जशपुर

क्र.	पर्यटन स्थल	पर्यटन स्थल की श्रेणी	मुख्य दर्शनीय स्थल
1.	जशपुर नगर	प्राकृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक	लोरोघाट, रानीदाह प्रपात, दमेरा प्रपात, इंदिरा घाट
2.	पत्थलगांव	धार्मिक, प्राकृतिक	किलकिला, घाटियां, नंदन झारियां
3.	कुनकुरी	धार्मिक, प्राकृतिक	महागिरिजाघर, बेनेप्रपात
4.	बगीचा	प्राकृतिक अभ्यारण्य	नाशपाती, लीची, आम के बगीचों की घाटियां खुड़िया रानी की गुफा एवं प्रपात
5.	सन्ना	प्राकृतिक अभ्यारण्य	प्राकृतिक
6.	बादलखोल	अभ्यारण्य	वन्य प्राणी

महागिरजाधर, कुनकुरी, जिला जशपुर

हाथी हमारे साथी

चलें झुंड में शान से, बनें दोस्त मेहमान के

रूबरू होइए तमोर पिंगला, सेमरसोत और बादलखोल अभयारण्यों में जंगली हाथियों की शानो-शौकत से।

छत्तीसगढ़ में 1000 किलोमीटर के दायरे में फैले इन तीन अभयारण्यों को हाथियों का गढ़ भी कहा जाता है, जहां चार से चालीस हाथियों के झुंड घूमते देखने को मिल जाते हैं। हाथियों की इस जन्नत में घूमने का सबसे सही समय अक्तूबर से फरवरी तक रहता है।

एशियाई जंगली हाथियों को कुदरत की गोद में अठखेलियां करते देखना है तो चले आइए... और यहां आकर अगर आपको दूर कहीं चिंघाड़ें सुनाई दें तो समझिए कि हाथी आपके आस–पास है!

Chhattisgarh
full of surprises
Chhattisgarh Tourism Board

http://tourism.cg.gov.in

टोल फ्री नं.: 1-800-102-6415 (सुबह 8 से रात 8 बजे तक)
हमें यहाँ फ़ॉलो करें: Gochhattisgarh
छत्तीसगढ़ टूरिज़्म एप यहाँ से प्राप्त करें: GET IT ON Google play

Picture courtesy: Supriyo Thakur

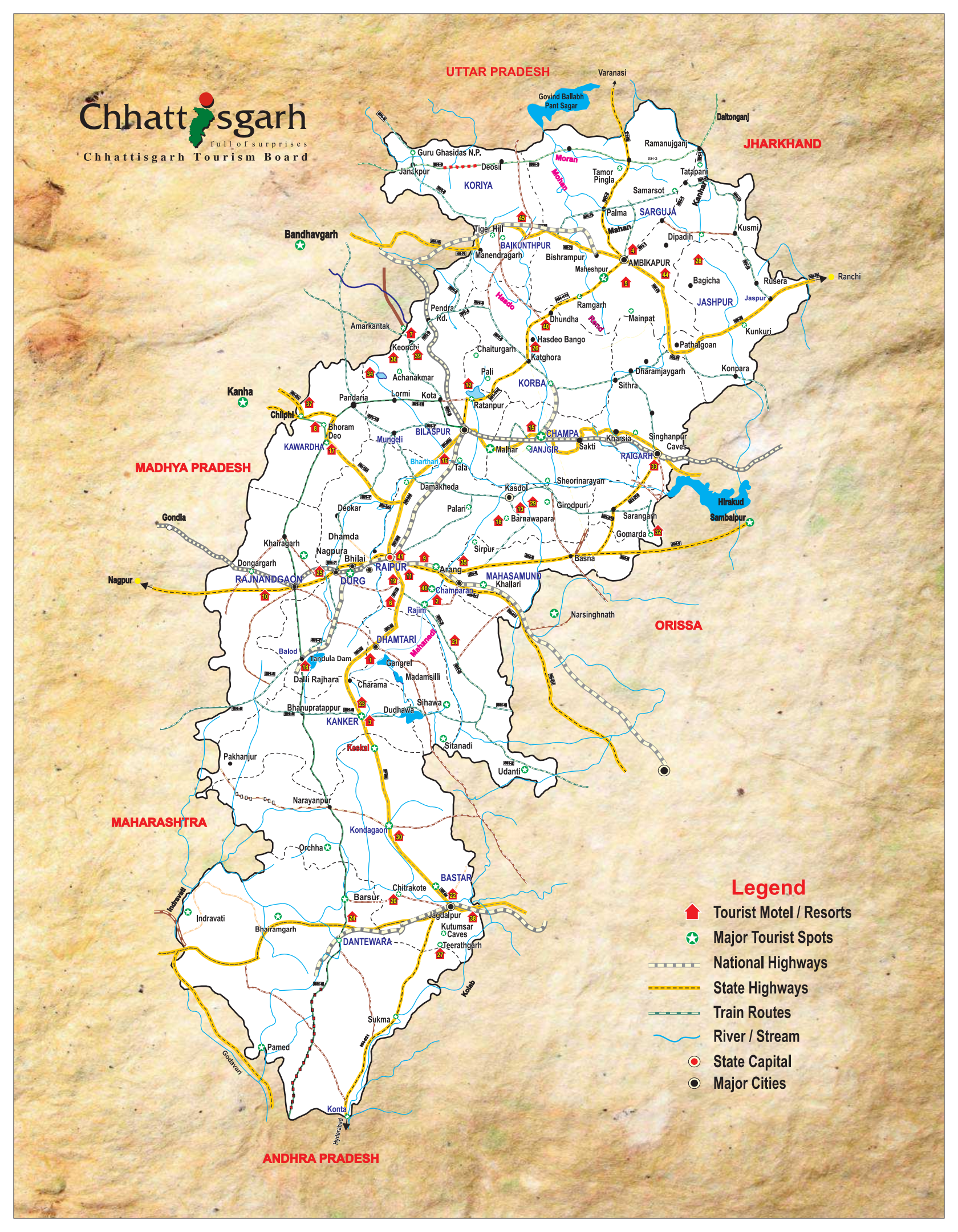

Chhattisgarh
full of surprises
Chhattisgarh Tourism Board
UTTAR PRADESH
JHARKHAND
MADHYA PRADESH
ORISSA
MAHARASHTRA
ANDHRA PRADESH
KORIYA
SARGUJA
JASHPUR
KORBA
BILASPUR
KAWARDHA
JANJGIR
CHAMPA
RAIGARH
RAIPUR
DURG
RAJNANDGAON
MAHASAMUND
DHAMTARI
KANKER
BASTAR
DANTEWARA
Legend
Tourist Motel / Resorts
Major Tourist Spots
National Highways
State Highways
Train Routes
River / Stream
State Capital
Major Cities

Chhattisgarh
full of surprises
Chhattisgarh Tourism Board

वेबसाईट : http://tourism.cg.gov.in

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
टोल फ्री नंबर # 1800-102-6415
(प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक)

मुख्य कार्यालय :
छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल
द्वितीय तल, उद्योग भवन, रिंग रोड - 1,
तेलीबांधा, रायपुर 492001 (छ.ग.) भारत
दूरभाष : +91 771 4224600 / 4224611
फैक्स : +91 771 4066425 **ई-मेल :** visitcg@gmail.in

हमें फॉलो करें : Gochhattisgarh Gochhattisgarh Gochhattisgarh

छत्तीसगढ़ टूरिस्म ऐप प्राप्त करें : GET IT ON Google play